Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 61
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
सोमवार, 09 मार्च, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

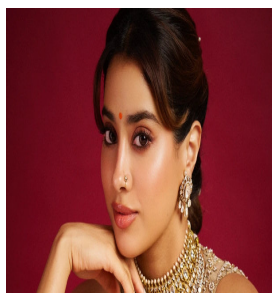

3 सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के सामने .... 4 ईरान-अमेरिका-इज़राइल युद्ध देखते देखते.... 7 ईरान-इजराइल संघर्ष के बीच भारत का प्लान ...

संक्षिप्त न्यूज

यूजीसी नियमों के खिलाफ सड़कों पर उतरा सवर्ण समाज, रामलीला मैदान, जंतर-मंतर से की ये मांग

नई दिल्ली। यूजीसी नियमों के खिलाफ रविवार को सवर्ण समाज दिल्ली की सड़कों पर उतरा। सवर्ण समुदाय के बड़े नेताओं की गिरफ्तारी और उन्हें हाउस अरेस्ट करने के बाद भी बड़ी संख्या में सामान्य वर्ग के युवा दिल्ली के रामलीला मैदान और जंतर-मंतर पहुंचे और यूजीसी नियमों के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त की।

युवाओं ने कहा कि सरकार को ऐसा कानून बनाना चाहिए जो सभी समाज और सभी वर्ग के हितों की रक्षा करे।

युवाओं ने कहा कि नियम-कानून की आड़ में लगातार सामान्य वर्ग का उत्पीड़न होता रहा है, लेकिन अब बच्चों को कॉलेज स्तर पर भी प्रताड़ित करने की तैयारी की जा रही है। यह हर हाल में रुकना चाहिए।

प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई कहासुनी

जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों की भीड़ जुटने के बाद उनकी पुलिस जवानों से जमकर कहासुनी हुई। रामलीला मैदान में भी जोरदार प्रदर्शन करने के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बसों में भरकर दूर ले गई। सुरक्षा बलों का कहना था कि रविवार को यूजीसी के खिलाफ प्रदर्शन की अनुमति नहीं थी। लेकिन इसके बाद भी हजारों प्रदर्शनकारी रामलीला मैदान पहुंचे और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

अयोध्या से सवर्ण आंदोलन में भागीदारी करने जंतर-मंतर पहुंची आरती तिवारी ने अमर उजाला से कहा कि भाजपा और आरएसएस हमेशा हिंदू समाज की एकता की बात करते हैं, लेकिन यूजीसी नियमों ने हमारे बच्चों को ही अलग-अलग वर्गों में बांटने का रास्ता तैयार कर दिया है। बिहार के रणधीर सिंह ने कहा कि सरकार को केवल अमीर और गरीब दो वर्ग बनाने चाहिए। यदि छात्र गरीब है तो उसे बिना कोई भेदभाव किए सभी सुविधाएं देनी चाहिए।

पीएम मोदी का दिल्ली को 33,500 करोड़ का तोहफा

नए मेट्रो कॉरिडोर से बदलेगी राजधानी की तस्वीर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली के बुराड़ी में 33,500 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उपहार दिया। उन्होंने पिंक लाइन (मजलिस पार्क-मौजपुर) और मजेंटा लाइन के नए हिस्सों की शुरुआत की। इस विस्तार से बुराड़ी, भजनपुरा, खजूरी खास और यमुना विहार जैसे इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों को सीधा फायदा होगा और मेट्रो कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इसके साथ ही उन्होंने तीन नए मेट्रो कॉरिडोर की नींव भी रखी, जो एयरपोर्ट और दक्षिणी दिल्ली के सफर को और आसान बनाएंगे।

महिला दिवस पर विशेष उपहार

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये मेट्रो परियोजनाएं महिलाओं के सुरक्षित और सुगम सफर के लिए बेहद जरूरी हैं। प्रधानमंत्री ने इस चाबियाँ सौंपीं।

मेट्रो के मामले में दुनिया में तीसरे नंबर पर भारत

दौरान सरोजनी नगर में सरकारी आवास योजना के तहत बने फ्लैटों का निरीक्षण किया और महिला लाभार्थियों को उनके नए घर की केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश का मेट्रो नेटवर्क तेजी से बढ़ा है। साल 2014 तक देश के सिर्फ 5 शहरों में मेट्रो थी, लेकिन आज भारत मेट्रो नेटवर्क के मामले में अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। दिल्ली मेट्रो अब 500 किलोमीटर से ज्यादा लंबी हो चुकी है, जो शहर की 'लाइफलाइन' बन गई है। इससे न केवल प्रदूषण कम हो रहा है, बल्कि ट्रैफिक जाम से भी राहत मिल रही है।

आवास और आधुनिक सुविधाएं

मेट्रो के साथ-साथ सरकार का जोर लोगों को बेहतर घर देने पर भी है। प्रधानमंत्री ने करीब 9,000 सरकारी कर्मचारियों के लिए आधुनिक आवासीय परिसरों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। सरकार की योजना है कि मेट्रो स्टेशनों के पास ही रिहायशी इलाके विकसित किए जाएं ताकि लोगों को आने-जाने में कम से कम समय लगे। इन नई परियोजनाओं से दिल्ली और एनसीआर में आर्थिक गतिविधियों को भी नई रफ्तार मिलेगी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अनोखा संदेश

'महिलाओं में दम, हम नहीं हैं किसी से कम'

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिलाओं की शक्ति, उपलब्धियों और योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाएं किसी से कम नहीं हैं और अगर उन्हें सही अवसर और समर्थन मिले तो वे हर क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं। रविवार को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की तरफ से आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सिर्फ महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान करने का दिन नहीं है, बल्कि यह उनके सशक्तिकरण के लिए देश की प्रतिबद्धता को दोहराने का भी अवसर है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, न्यायपालिका, सशस्त्र बल, चिकित्सा, विज्ञान, तकनीक, कला, खेल और उद्यमिता जैसे कई क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं का जिक्र करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूहों के जरिए गांवों की महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं और गांव के विकास में नेतृत्व भी कर रही हैं।

मुर्मू ने आगे कहा कि महिलाओं में दम है, हम किसी से कम नहीं। हम में भी शक्ति है।' उनका कहना था कि अगर महिलाओं को अवसर और सहयोग मिले तो वे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि हालांकि महिलाओं ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, लेकिन समाज में समान भागीदारी सुनिश्चित करने के रास्ते में अभी भी कई चुनौतियां मौजूद हैं। इन चुनौतियों को सिर्फ कानून के जरिए खत्म नहीं किया जा सकता, बल्कि समाज की सोच में बदलाव लाना भी जरूरी है।

महिला दिवस पर हिमंत सरकार का एलान

असम में 10 मार्च को 40 लाख महिलाओं के खाते में आएंगे नौ हजार रुपये;

गुवाहाटी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य की महिलाओं के लिए बड़ी घोषणा की है। उन्होंने बताया कि सरकार की प्रमुख योजना ओरुनोदोई योजना के तहत करीब 40 लाख लाभार्थी महिलाओं को अगले सप्ताह 9,000 रुपये की सहायता राशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भुगतान चार महीने की सहायता राशि और अतिरिक्त अनुदान को मिलाकर किया जाएगा। यह राशि 10 मार्च को सुबह 10:30 बजे सीधे महिलाओं के बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी।

एक दिन में 3,600 करोड़ रुपये का ट्रांसफर

सीएम हिमंत के मुताबिक, इस योजना के तहत एक ही दिन में करीब 3,600 करोड़ रुपये महिलाओं के खातों में भेजे जाएंगे, जो किसी सरकारी योजना के तहत एक दिन में होने वाला बड़ा ट्रांसफर माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि ओरुनोदई योजना राज्य सरकार की प्रमुख गरीबी उन्मूलन योजना है, जिसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1,250 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस बार जनवरी से चार महीने की राशि के साथ बोहाग बिहू त्योहार के लिए अतिरिक्त सहायता भी दी जाएगी। यह त्योहार असमिया नववर्ष के रूप में अप्रैल के मध्य में मनाया जाता है।

सोशल मीडिया पर अपने संदेश में सीएम सरमा ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाना असम के विकास की कहानी का अहम हिस्सा है। वित्तीय सुरक्षा से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्यमिता तक कई योजनाओं के जरिए लाखों महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं।

सीएम ममता का पलटवार, कहा- बंगाल को निशाना बनाया जा रहा, नहीं हुआ प्रोटोकॉल का उल्लंघन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे के दौरान कथित प्रोटोकॉल उल्लंघन को लेकर चल रहे विवाद के बीच अब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम में हुई अव्यवस्था के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार नहीं है। कोलकाता में पत्रकारों से बात करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी निजी आयोजकों और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की थी। इसलिए अगर कहीं कोई गड़बड़ी हुई है तो उसकी जिम्मेदारी भी उन्हीं पर आती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार को शनिवार को होने वाले राष्ट्रपति के कार्यक्रम की पूरी जानकारी भी नहीं दी गई थी और न ही सरकार को इस आयोजन में शामिल किया गया था। उनके मुताबिक, जब राज्य सरकार को कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी ही नहीं थी, तो उस पर प्रोटोकॉल उल्लंघन का आरोप लगाना सही नहीं है। सीएम ममता ने यह भी कहा कि गंदगी, ग्रीन रूम की समस्या और महिलाओं के टॉयलेट की कमी जैसी शिकायतें भी आयोजकों और एएआई की जिम्मेदारी हैं।

पीएम मोदी के आरोपों पर पलटवार

मुख्यमंत्री ने कोलकाता के केंद्रीय धरना स्थल से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीएमसी सरकार पर राष्ट्रपति का अपमान करने का आरोप लगाया, जबकि वास्तविकता अलग है। उन्होंने प्रधानमंत्री की एक तस्वीर दिखाते हुए कहा कि तस्वीर में प्रधानमंत्री बैठे हैं और राष्ट्रपति खड़ी हैं। सीएम ममता ने कहा कि हम कभी ऐसा नहीं करते। यह भाजपा की संस्कृति है, हम कभी राष्ट्रपति का अपमान नहीं करते।

संविधान का पूरा सम्मान करती हैं बंगाल सरकार- ममता

ममता बनर्जी ने यह भी स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल सरकार राष्ट्रपति के पद और संविधान का पूरा सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति देश का सर्वोच्च संवैधानिक पद है और राज्य सरकार हमेशा उसकी गरिमा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध रहती है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि आगामी विधानसभा चुनावों से पहले पश्चिम बंगाल को राजनीतिक रूप से निशाना बनाया जा रहा है।

राष्ट्रपति का सम्मान हर सरकारी की जिम्मेदारी- ममता

उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस मुद्दे को जानबूझकर बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं ताकि राज्य सरकार की छवि खराब की जा सके। ममता बनर्जी ने दोहराया कि राज्य सरकार ने राष्ट्रपति के दौरे के दौरान अपनी तरफ से सभी जरूरी सहयोग दिया था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति और संविधान का सम्मान करना हर सरकार और नागरिक की जिम्मेदारी है, और पश्चिम बंगाल सरकार इस जिम्मेदारी को पूरी तरह निभाती है।

लोगों के अधिकार के लिए धरना पर बैठी हूं- ममता

ममता बनर्जी ने यह भी बताया कि सिलीगुड़ी के महापौर गौतम देब ने प्रोटोकॉल का पालन करते हुए राष्ट्रपति का बैगडोगरा हवाई अड्डे पर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं धरना पर बैठी हूं ताकि लोगों के अधिकार सुरक्षित रहें।

आज से संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ प्रस्ताव पर हंगामे के आसार

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हो रहा है और पहले ही दिन लोकसभा में जोरदार हंगामे के संकेत मिल रहे हैं। विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए लाए गए प्रस्ताव पर चर्चा कराने जा रहा है। इस प्रस्ताव को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस होने की संभावना है।

लोकसभा अध्यक्ष पर विपक्ष का आरोप

विपक्ष का आरोप है कि स्पीकर ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही के दौरान पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया और कांग्रेस के सांसदों को लेकर कुछ गलत दावे भी किए। इसी वजह से कई विपक्षी दलों के नेताओं ने उन्हें हटाने का प्रस्ताव दिया है। नियमों के अनुसार, प्रस्ताव दिए जाने के बाद ओम बिरला ने खुद को कार्यवाही से अलग कर लिया है और कहा गया है कि प्रस्ताव पर फैसला होने के बाद ही वह फिर से सदन की कार्यवाही संभालेंगे।

सत्ता पक्ष के पास लोकसभा में पर्याप्त बहुमत

हालांकि संख्या बल के लिहाज से सरकार मजबूत स्थिति में है। भाजपा और उसके सहयोगी दलों के पास लोकसभा में बहुमत है, इसलिए माना जा रहा है कि यह प्रस्ताव पारित नहीं हो पाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ओम बिरला के समर्थन में सामने आए हैं और कहा है कि उन्होंने हमेशा संविधान और संसदीय लोकतंत्र की भावना के अनुसार काम किया है।

इन-इन मुद्दों के जोरदार तरीके से उठने की संभावना

सत्र के दौरान पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का मुद्दा भी जोरदार तरीके से उठने की संभावना है। अमेरिका और इस्राइल की तरफ से ईरान पर किए गए हमलों के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है, जिससे तेल की सप्लाई प्रभावित हो रही है और कच्चे तेल की कीमतें भी बढ़ रही हैं। विपक्ष इस मामले में सरकार की विदेश नीति और रूस से तेल खरीद पर अमेरिका द्वारा दिए गए छूट को लेकर सवाल उठा सकता है।

संसद में गरमा सकता है पश्चिम बंगाल एसआईआर का मुद्दा

इसके अलावा पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष संशोधन में करीब 60 लाख नाम हटाए जाने का मुद्दा भी संसद में गरमा सकता है। तृणमूल कांग्रेस के सांसद इस मामले को जोरदार तरीके से उठाने की तैयारी में हैं। वहीं भाजपा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की पश्चिम बंगाल यात्रा के दौरान प्रोटोकॉल उल्लंघन के मुद्दे को उठा सकती है।

सत्र में विधेयकों को पास कराने पर सरकार का रहेगा फोकस

सरकार इस सत्र में बिजली संशोधन विधेयक समेत कई लंबित विधेयकों को भी पास कराने की कोशिश करेगी। वहीं सोमवार को लोकसभा की कार्यवाही की शुरुआत शिलांग से सांसद रहे रिक्की सिंगकोन के निधन पर श्रद्धांजलि के साथ हो सकती है, जिसके कारण प्रश्नकाल स्थगित होने की भी संभावना है।

पंजाब की महिलाओं के लिए बड़ी खुशखबरी, मन सरकार हर महीने देगी 1,000 रुपये

चड़ीगढ़। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपना एक प्रमुख चुनावी वादा पूरा कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने 2026-27 के बजट में 'मुख्यमंत्री महिला-ध्यान सत्कार योजना' का एलान किया। इस योजना के तहत राज्य की 18 साल से ऊपर की लगभग सभी महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। सरकार का दावा है कि इस योजना के दायरे में राज्य की 97 प्रतिशत महिलाएं आएंगी।

किसे मिलेगा लाभ और किसे नहीं?

इस योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि जो महिलाएं पहले से बुढ़ापा, विधवा या विकलांगता पेंशन ले रही हैं, उन्हें भी इसका लाभ मिलेगा। विशेष रूप से अनुसूचित जाति की महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये दिए जाएंगे। हालांकि, सरकारी कर्मचारी (वर्तमान या पूर्व), आयकर देने वाले परिवार और वर्तमान या पूर्व सांसद-विधायक इस योजना का लाभ नहीं ले पाएंगे। वित्त मंत्री ने इसे दुनिया की पहली 'यूनिवर्सल कैश ट्रांसफर' स्कीम बताया है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

सरकारी खजाने पर बोझ

पंजाब में 18 साल से अधिक उम्र की महिलाओं की संख्या लगभग 1 करोड़ से ज्यादा है। इस योजना को लागू करने पर सरकार को हर साल करीब 10,000 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे। विपक्ष ने इस योजना के समय पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस का कहना है कि सरकार पिछले चार साालों से इस वादे को टाल रही थी, इसलिए अब उन्हें पिछले 48 महीनों का बकाया (48,000 रुपये) हर महिला को देना चाहिए। इसी मांग को लेकर कांग्रेस की महिला विंग ने विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन भी किया।

दूसरे राज्यों से तुलना

विधानसभा में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने अन्य राज्यों की इसी तरह की योजनाओं की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में आय की सीमा (जैसे 1 लाख रुपये सालाना) होने के कारण केवल 20 प्रतिशत महिलाओं को ही लाभ मिल पाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान केवल कुछ प्रतिशत नहीं, बल्कि पंजाब की सभी महिलाओं के मुख्यमंत्री हैं, इसलिए यह योजना बिना किसी संकुचित भेदभाव के लागू की जा रही है ताकि महिलाएं अपनी सेहत और शिक्षा पर निवेश कर सकें।

दिल्ली-राजस्थान में रिकॉर्ड गर्मी, कई राज्यों में IMD का हीटवेव अलर्ट

नई दिल्ली। मार्च की शुरुआत में ही देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी का प्रकोप शुरू हो गया है। राजधानी दिल्ली में शनिवार को तापमान 35.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसने पिछले 50 सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। राजस्थान के अकोला में तो पारा 40.8 डिग्री तक पहुंच गया है, जिससे लोग अभी से चिलचिलाती धूप और लू से परेशान हैं।

इन राज्यों में 'हीटवेव' का अलर्ट

भारतीय मौसम विभाग ने देश के कई राज्यों में 'हीटवेव' यानी लू चलने की चेतावनी जारी की है। महाराष्ट्र के विदर्भ, मध्य प्रदेश, बिहार, राजस्थान और आंध्र प्रदेश के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में भी अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, जब मैदानी इलाकों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर चला जाता है और सामान्य से 4-6 डिग्री ज्यादा रहता है, तो सेहत पर बुरा असर पड़ने और लू लगने का खतरा बढ़ जाता है।

पहाड़ों पर बर्फबारी से राहत की उम्मीद

भीषण गर्मी के बीच राहत की एक खबर भी है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के सक्रिय होने से 8 से 12 मार्च के बीच पहाड़ी इलाकों में मौसम बदल सकता है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचे इलाकों में हल्की बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है, जिससे तापमान में कुछ गिरावट आ सकती है।

अन्य राज्यों में मौसम का हाल

पहाड़ों के अलावा सिक्किम, ओडिशा और केरल में भी हल्की बारिश की उम्मीद जताई गई है। वहीं, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी आने वाले दिनों में गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है।

नीतीश कुमार की सियासी विरासत अब बेटे निशांत के हाथ, जनता दल (यूनाइटेड) में हुई भव्य एंट्री

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने आधिकारिक रूप से जनता दल (यूनाइटेड) की सदस्यता ग्रहण कर ली है। उनकी इस एंट्री के बाद बिहार की राजनीति में उत्तराधिकार को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

पार्टी में शामिल होने के बाद निशांत कुमार का कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने अपने पिता के राज्यसभा जाने के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि वह इस निर्णय को पूरी तरह स्वीकार करते हैं और पार्टी के साथ मिलकर आगे काम करेंगे।

पिता के काम को आगे बढ़ाने का संकल्प

निशांत कुमार ने कहा कि वह जनता दल (यूनाइटेड) के एक सक्रिय सदस्य के रूप में पार्टी को मजबूत बनाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग बीस वर्षों में नीतीश कुमार ने बिहार के विकास के लिए जो कार्य किए हैं, उन्हें वह राज्य के हर घर तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अपना मनोबल ऊंचा रखें और नीतीश कुमार के नेतृत्व पर भरोसा बनाए रखें।

पार्टी में बढ़ सकती है जिम्मेदारी

निशांत कुमार की एंट्री के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। माना जा रहा है कि पार्टी में उन्हें कोई बड़ा पद या महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है। सदस्यता लेने के बाद वह जल्द ही पूरे बिहार का दौरा भी कर सकते हैं।

बताया जा रहा है कि नीतीश कुमार के राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद कार्यकर्ताओं की मांग को देखते हुए निशांत कुमार को सक्रिय राजनीति में लाया गया है।

उपमुख्यमंत्री बनने की चर्चा

राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि निशांत कुमार को बिहार का उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। माना जा रहा है कि ऐसा कदम नीतीश कुमार की अनुपस्थिति में नेतृत्व की कमी को पूरा करने और निशांत को भविष्य की बड़ी राजनीतिक भूमिका के लिए तैयार करने के उद्देश्य से उठाया जा सकता है।

'कमजोर पड़ रही भारत की वैश्विक मौजूदगी': पश्चिम एशिया युद्ध पर बोले संजय राउत; पीएम मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल

दिव्यांश

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने रविवार को पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध को लेकर केंद्र सरकार पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इस संकट के बीच भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौजूदगी और भूमिका लगभग खत्म होती दिखाई दे रही है। राउत ने यह बात शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना के साप्ताहिक कॉलम 'रोकठोक' में लिखी। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में ईरान और इस्राइल के बीच बढ़े तनाव और अमेरिका की भूमिका के कारण स्थिति बेहद गंभीर हो गई है और भारत एक देश के तौर पर इस स्थिति में पूरी तरह से अपना वजूद खो चुका है।

राउत के मुताबिक, इस पूरे संकट में भारत को आगे आकर युद्ध रोकने की कोशिश करनी चाहिए थी, क्योंकि यह एक बड़ा वैश्विक मुद्दा बन चुका है। लेकिन भारत की तरफ से इस मामले में कोई ठोस पहल नहीं दिखी। उन्होंने कहा कि दुनिया के सामने भारतीय नेतृत्व की कमजोरी भी उजागर हो रही है।

राउत ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस गंभीर अंतरराष्ट्रीय संकट पर अब तक एक शब्द भी नहीं कहा है।

अमेरिका और इस्राइल पर भी बोला तीखा हमला

संजय राउत ने अमेरिका और इस्राइल पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका और इस्राइल दुनिया में दबंगई दिखा रहे हैं और खुद को सबसे ताकतवर समझते हैं। राउत के अनुसार, इन देशों को लगा कि वे ईरान को बहुत आसानी से हरा देंगे। उन्होंने कहा कि इस्राइल और अमेरिका को लगा था कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के बाद युद्ध जल्दी खत्म हो जाएगा। युद्ध के दौरान ईरान के कई बड़े नेता और सैन्य अधिकारी भी मारे गए, लेकिन इसके बावजूद ईरान लगातार जवाबी हमला कर रहा है और युद्ध जारी है।

ग्लोबल बुली की तरह व्यवहार का आरोप

राउत ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इस्राइल दुनिया के ग्लोबल बुली की तरह व्यवहार कर रहे हैं। वहीं उन्होंने कहा कि भारत जैसे बड़े देश, जो पहले अपनी बहादुरी की बात करते थे, अब इन देशों के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं। अपने लेख में राउत ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध के बीच भारत को मजबूत और स्वतंत्र रुख अपनाना चाहिए था, लेकिन ऐसा होता नहीं दिख रहा है। इसी वजह से उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका कमजोर नजर आ रही है।

साइबर ठगों ने जज को भी बनाया निशाना, क्रेडिट पॉइंट्स के नाम पर 6 लाख की ठगी, केस दर्ज

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

देश में साइबर ठगी के मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं. मुंबई में साइबर ठगों ने एक जज को भी निशाना बनाया है. क्रेडिट प्वाइंट के नाम पर 6 लाख की ठगी की गई है. जानकारी के मुताबिक क्रेडिट कार्ड पॉइंट्स रिडीम करने के नाम पर बॉम्बे हाई कोर्ट के जज से छह लाख की साइबर धोखाधड़ी की गई है. साइबर ठगों ने क्रेडिट कार्ड की डिटेल्स भरवाकर कुल 6 लाख रुपए जज के अकाउंट से उड़ा लिए. कफ परेड पुलिस स्टेशन में अज्ञात शख्स के खिलाफ केस दर्ज किया गया है.

बताया जा रहा है कि हाई कोर्ट के जज सर्च इंजन लिस्टिंग फ्रॉड के जाल में फंस गए. क्रेडिट कार्ड पॉइंट्स रिडीम करने के लिए जज ने एक क्रेडिट कार्ड बैंक का कस्टमर केयर नंबर ऑनलाइन सर्च किया था और फिर साइबर ठगी का शिकार हो गए.

साइबर ठगों ने बैंक प्रतिनिधि बनकर जज को भेजा लिंक

जानकारी के मुताबिक जब जज ने उस नंबर पर कॉल किया, तो साइबर फ्रॉड करने वाले ने बैंक का प्रतिनिधि बनकर जज को एक लिंक भेजकर एक ऐप डाउनलोड करने के लिए मजबूर किया. बाद में उसने उनसे उस पर अपने क्रेडिट कार्ड की डिटेल्स भरवाईं. जैसे ही उन्होंने डिटेल्स भरी, जज ने चार ट्रांजैक्शन में कुल 6,02,566 रुपये गंवा दिए.

ठगी के शिकार जज ने कफ परेड पुलिस स्टेशन में की शिकायत

इसके बाद जज साहब को जैसे ही एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है तो उन्होंने बैंक के ऑफिशियल कस्टमर केयर नंबर पर कॉल करके क्रेडिट कार्ड ब्लॉक करवा दिया और फिर नेशनल साइबर हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई और बाद में कफ परेड पुलिस स्टेशन पहुंचे.

जज की शिकायत पर कई धाराओं में केस दर्ज

कफ परेड पुलिस ने जज की शिकायत पर भारतीय दंड संहिता की धारा 318(4) (धोखाधड़ी) और 319(2) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धाराओं 66, 66(ए) और 66(डी) के तहत मामला दर्ज किया है.

मध्य रेल की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने 12.82 लाख रुपये मूल्य के 43 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए - नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, मध्य रेल की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने दो अलग-अलग अभियानों में नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया और 12.82 लाख रुपये मूल्य के 43 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए।

नागपुर में अभियानः नागपुर आरपीएफ टीम ने दिनांक 06.02.2026 को एक अभियान में नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया और 3.72 लाख रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ जब्त किए।

एक इंस्पेक्टर, एक सहायक सब-इंस्पेक्टर और 2 आरपीएफ कर्मियों की टीम ने दिनांक 06.02.2026 को नागपुर स्टेशन पर निगरानी ड्यूटी के दौरान, संदेह होने पर दो बैग ले जा रहे एक व्यक्ति को रोका। विधिवत प्रक्रिया का पालन करते हुए, गवाहों की उपस्थिति में बैगों की तलाशी लेने पर 24.80 किलोग्राम गांजे के 9 पैकेट बरामद हुए, जिनकी अनुमानित कीमत 3.72 लाख रुपये है। पूछताछ करने पर, मध्य प्रदेश के भिंड निवासी शाहिद खान नामक आरोपी ने ग्वालियर ले जाने के लिए नशीले पदार्थों के पैकेट ले जाने की बात कबूल की।

आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और आगे की कार्रवाई के लिए उसे जब्त किए गए नशीले पदार्थों के साथ गवर्नमेंट रेलवे पुलिस, नागपुर को सौंप दिया गया है।

कलबुरगि में अभियानः कलबुरगि में 03.02.2026 को आरपीएफ टीम ने जीआरपी के समन्वय से एक अभियान में 9.10 लाख रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ जब्त किए।

आरपीएफ और जीआरपी टीमों ने सूचना के आधार पर दिनांक 03.02.2026 को कलबुरगि स्टेशन पर ट्रेन संख्या 11020 कोणार्क एक्सप्रेस की संयुक्त रूप से जाँच की। टीम को कोच बी-1 में बर्थ संख्या 41 के नीचे एक लावारिस बैग मिला। गवाहों की उपस्थिति में विधिवत जांच करने पर बैग से 18.20 किलोग्राम वजन के 18 बंडल गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 9.10 लाख रुपये है।

जब्त की गई सामग्री को विधिवत सील कर दिया गया है और वाडी पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

यह अभियान मध्य रेल आरपीएफ और जीआरपी के बीच अनुकरणीय समन्वय और भारत के रेल नेटवर्क के माध्यम से मादक पदार्थों की तस्करी को खत्म करने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यात्रियों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना रेलवे अधिकारियों को देने या सहायता के लिए 139 डायल करने की सलाह दी जाती है।

पश्चिम रेलवे ने महिला कर्मियों का सम्मान कर मनाया महिला दिवस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पॉपुलर रेडियो चैनल बिग FM के साथ मिलकर चर्चगेट, वड़ोदरा तथा इंदौर में पश्चिम रेलवे द्वारा पॉपुलर रेडियो चैनल BIG FM के साथ मिलकर एक अनोखी पहल के तहत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 मनाया गया, जिसमें रेलवे स्टेशनों पर लाइव स्टूडियो इंटरैक्शन के माध्यम से महिला रेलवे कर्मचारियों की संघर्ष और उपलब्धियों से भरी प्रेरणादायक गाथाएँ सीधे श्रोताओं तक पहुँचाई गईं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महिला दिवस के उपलक्ष में BIG FM ने रविवार, 08 मार्च 2026 को चर्चगेट, वडोदरा और इंदौर रेलवे स्टेशनों पर एक साथ एक खास लाइव स्टूडियो शिफ्ट ऑर्गनाइज़ किया गया। लाइव ब्रॉडकास्ट के दौरान BIG FM के रेडियो जॉकी ने पश्चिम रेलवे के विभिन्न डिपार्टमेंट की महिला अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत की। चर्चगेट स्टेशन पर लाइव सेशन कोे रानी ने होस्ट किया, जिन्होंने पश्चिम रेलवे की

तीस महिला कर्मचारियों से बातचीत की और उनके प्रोफेशनल सफ़र, अनुभवों और उपलब्धियों पर बात की। इसी तरह, वडोदरा स्टेशन पर लाइव सेशन को RJ मेघा ने होस्ट किया, जबकि इंदौर स्टेशन पर इसे RJ पीहू ने होस्ट किया।

इन दिलचस्प बातचीत में महिला रेलवे कर्मचारियों ने रेलवे ऑपरेशन में अपनी भूमिका और ज़िम्मेदारियों, रेलवे सेक्टर में करियर चुनने के पीछे की प्रेरणा और अपने प्रोफेशनल सफ़र के दौरान आई चुनौतियों के बारे में अपनी बातें शेयर कीं। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने पक्के इरादे और लगन से मुश्किलों को पार किया और रेलवे सिस्टम के सुरक्षित और कुशल कामकाज में योगदान दिया।

चर्चा में रेलवे में टेक्निकल और ऑपरेशनल भूमिकाओं में महिलाओं की बढ़ती मौजूदगी पर भी ज़ोर दिया गया, जो संगठन में हो रहे लगातार बदलाव को दिखाता है। इसमें शामिल कर्मचारियों ने अपने अनुभव शेयर किए और ऐसे वर्कफ़ोर्स का हिस्सा होने पर गर्व जताया जहाँ महिलाएँ तेज़ी से बड़ी ज़िम्मेदारियाँ उठा रही हैं। प्रोग्राम के दौरान, महिला कर्मचारियों ने युवा लड़कियों के लिए मोटिवेशनल मैसेज भी दिए और उन्हें आत्मविश्वास और पक्के इरादे के साथ इंजीनियरिंग, टेक्निकल फ़ील्ड और रेलवे सेक्टर में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

पश्चिम रेलवे जेंडर इक्वालिटी को बढ़ावा देने और महिला कर्मचारियों को अलग-अलग डिपार्टमेंट में मौके देकर उन्हें मज़बूत बनाने के लिए कमिटेड है। ऐसी कोशिशें न सिर्फ़ ऑर्गनाइज़ेशन में महिलाओं के योगदान को पहचान देती हैं, बल्कि अगली पीढ़ी को बाधाओं को तोड़ने और अपने सपने पूरे करने के लिए भी प्रेरित करती हैं।

भुसावल मंडल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिनांक 08 मार्च 2026 को मध्य रेलवे के भुसावल मंडल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर रेलवे संचालन और यात्री सेवाओं में महिला कर्मचारियों के योगदान एवं उपलब्धियों को रेखांकित करने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर गाड़ी संख्या 19013 भुसावल-कटनी एक्सप्रेस का संचालन पूर्णतः महिला कर्मचारियों द्वारा किया गया, जो भुसावल रेलवे स्टेशन से खंडवा की ओर रवाना हुई। इस ट्रेन का संचालन लोको पायलट श्रीमती ज्योति सिंह, सहायक लोको पायलट सुश्री पिरिया टिपाले तथा ट्रेन मैनेजर श्रीमती सरिता माने द्वारा किया गया। इस ट्रेन को मंडल रेल प्रबंधक, भुसावल, श्री पुनीत अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह पहल रेलवे के महत्वपूर्ण परिचालन क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और नेतृत्व को दर्शाती है।

इस अवसर को और भी विशेष बनाते हुए पूरी ट्रेन में टिकट जांच तथा ऑनबोर्ड सुरक्षा का कार्य भी महिला कर्मचारियों की विशेष टीम द्वारा किया गया, जिससे महिला सशक्तिकरण का प्रेरणादायी संदेश प्रसारित हुआ। टिकट जांच का कार्य भुसावल मंडल की दामिनी स्क्वाड की सदस्याओं द्वारा किया गया, जिनमें पुष्पा देवी (टीटीआई), दीपाली बोबडे (टीटीआई), ज्योति निकम (टीटीआई), वंदना घेंगत (टीटीआई), सीमा मेश्राम (टीटीआई), जयश्री कोल्हे (सीनियर सीसीटीसी) तथा प्रणिता धांडे (सीनियर सीसीटीसी) शामिल थीं, जबकि ट्रेन में सुरक्षा की जिम्मेदारी आरपीएफ कांस्टेबल सुश्री संजना साहू ने संभाली।

कार्यक्रम के दौरान मंडल रेल प्रबंधक श्री पुनीत अग्रवाल ने भुसावल स्टेशन पर महिला लोको पायलट, गार्ड, टिकट जांच कर्मचारियों तथा स्टेशन सुपरवाइजरों से संवाद किया और उनके समर्पण एवं उत्कृष्ट कार्य की सराहना की, साथ ही यात्री सेवाओं और रेलवे संचालन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया।

भुसावल मंडल ने महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा और सुविधा को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलें की हैं। मंडल का न्यू अमरावती स्टेशन पहला 'पिंक स्टेशन' है, जिसका संचालन पूर्णतः महिला कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त महिला कर्मचारियों के लिए सुरक्षित और संरक्षित आवासीय सुविधा के रूप में 'पिंक पूल' हाउसिंग सुविधा भी विकसित की गई है।

ाहिला यात्रियों की सुविधा के लिए नाशिक रोड स्टेशन पर महिलाओं के लिए विशेष रूप से एक सुसज्जित प्रतीक्षालय की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही यात्रा करने वाली माताओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नाशिक, मनमाड, भुसावल, जळगांव, अकोला तथा खंडवा सहित 14 प्रमुख स्टेशनों पर 'शिशु आहार कक्ष' (बेबी फीडिंग रूम) स्थापित किए गए हैं, जहाँ माताएँ स्वच्छ और निजी वातावरण में अपने शिशुओं को दूध पिला सकती हैं और उनकी देखभाल कर सकती हैं।

इसके अतिरिक्त भुसावल मंडल द्वारा लोकोमोटिव में वाटरलेस यूरिनल की सुविधा भी शुरू की गई है, जिससे विशेष रूप से महिला लोको पायलटों के लिए कार्य परिस्थितियाँ अधिक सुविधाजनक हुई हैं और परिचालन दक्षता में भी वृद्धि हुई है।

मंडल में दामिनी स्क्वाड का गठन भी किया गया है, जो महिला टिकट जांच कर्मचारियों की एक विशेष टीम है और महिलाओं में आत्मविश्वास, दक्षता तथा नेतृत्व को प्रोत्साहित करती है। साथ ही ऑल-वुमेन 'पिंक वॉर रूम' रेल मदद सेल की स्थापना भी की गई है, जो यात्रियों की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निवारण के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में उभर कर सामने आया है। यह सेल यात्रियों की आवश्यकताओं और शिकायतों का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने में निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है।

इन सभी पहलों के माध्यम से भुसावल मंडल महिला कर्मचारियों के लिए सुरक्षित, समावेशी और सशक्त वातावरण प्रदान करने तथा यात्रियों को बेहतर और संवेदनशील सुविधाएँ उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को निरंतर सुदृढ़ कर रहा है।

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) श्री सुनील कुमार सुमन सहित मंडल के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बच्चों को बचाने की कोशिश में नदी में डूबकर युवक और लड़की की मौत, जळगांव में दर्दनाक हादसा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

जळगांव। महाराष्ट्र के जळगांव जिले में एक दुखद घटना सामने आई है। गिरणा नदी में नहाने गए कुछ बच्चों को बचाने की कोशिश करते समय एक युवक और सोलह वर्षीय लड़की की डूबकर मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

बच्चों को बचाने के लिए नदी में कूदा युवक

जानकारी के अनुसार जळगांव जिले के भडगांव क्षेत्र में गिरणा नदी में कुछ बच्चे नहाने के लिए उतरे थे। पानी की गहराई का अंदाजा न लग पाने के कारण बच्चे नदी में डूबने लगे। यह देखकर वहां मौजूद युवक खान नदीम खान तुरंत बच्चों को बचाने के लिए नदी में कूद गया। उसने बहादुरी दिखाते हुए दो बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

लड़की को बचाते समय दोनों की डूबकर मौत

इसके बाद वह सोलह वर्षीय लड़की काफिया शरीफ पिंजारी को बचाने के लिए दोबारा पानी में गया, लेकिन इसी दौरान दोनों गहरे पानी में डूब गए और उनकी मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने बचाव का प्रयास किया, लेकिन तब तक दोनों की जान जा चुकी थी।

अवैध रेत खनन से बने गहरे गड्ढों का आरोप

स्थानीय लोगों का कहना है कि नदी के तल में अवैध रेत निकासी के कारण कई गहरे गड्ढे बन गए हैं। इसी वजह से पानी की गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है और ऐसे हादसे हो रहे हैं।

इस मामले में भडगांव पुलिस थाने में आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है।

डिलीवरी बॉय ने कहा- 'यू आर वेरी ब्यूटीफुल', युवती से की छेड़छाड़, आरोपी सीसीटीवी में कैद

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पुणे । पुणे के शिवाजीनगर इलाके में एक युवती से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है. डिलीवरी बॉय पर महिला से छेड़छाड़ का आरोप लगा है. आरोप है कि एक प्राइवेट ऐप से ऑर्डर करने के बाद सामान देने आए डिलीवरी बॉय ने युवती का हाथ छुआ और बदतमीजी की. इस मामले में शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है. ये घटना 6 मार्च की है.

पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, शिवाजीनगर इलाके में रहने वाली एक महिला ने एक मोबाइल ऐप से कुछ सामान ऑर्डर किया था. 6 मार्च को शाम करीब 5 बजे डिलीवरी बॉय सामान लेकर उसके घर पहुंचा था.

डिलीवरी बॉय ने पानी पीने के बहाने की युवती से छेड़छाड़

डिलीवरी बॉय के पहुंचने पर युवती ने दरवाजा खोला और उससे सामान ले लिया. पार्सल देने के बाद डिलीवरी बॉय ने लड़की से पीने का पानी मांगा. युवती ने उसे पानी दिया. इसी दौरान डिलीवरी बॉय ने उसका हाथ छूकर कहा, 'तुम बहुत सुंदर लग रही हो.'' इससे लड़की डर गई.

आरोपी डिलीवरी बॉय की तलाश में जुटी पुलिस

घटना के समय महिला का बच्चा और सास घर पर मौजूद थे. उसने अपने पति को घटना के बारे में बताया. इसके बाद दोनों सीधे शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन गए और शिकायत दर्ज कराई. शिवाजीनगर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है. ऐसे में अब आरोपी का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है जिसके आधार पर आरोपी की तलाशा जारी है.

पिछले साल पुणे में हुई थी नाबालिग से रेप की घटना

पिछले साल दिसंबर महीने में महाराष्ट्र के पुणे के विश्रांतवाड़ी इलाके में नाबालिग लड़की से रेप का मामला सामने आया था. 4 दिसंबर को यहां एक लड़के पर नाबालिग लड़की से रेप करने का आरोप लगा था. घटना की सूचना लड़की ने अपने परिवार को दी, जिसके बाद पीड़िता के परिवार वालों ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई थी. आरोपी के खिलाफ कई धाराओं में केस दर्ज किया गया था.

विश्व महिला दिवस नवी मुंबई में उत्साह के साथ मनाया गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आज का दिन स्त्री शक्ति के सम्मान का दिन है। 'महिलाओं को सपने देखने चाहिए, उन सपनों को साकार करने के लिए लगातार प्रयास करते रहना चाहिए और सामने आने वाली कठिनाइयों को अवसर में बदलने के लिए तैयार रहना चाहिए', ऐसे शब्दों में नवी मुंबई की महापौर श्रीमती सुजाता पाटिल ने शुभकामनाएं दीं। नवी मुंबई महानगरपालिका महिला एवं बाल कल्याण समिति की ओर से वाशी स्थित विष्णुदास भावे नाट्यगृह में आयोजित विशेष समारोह में वे अपना मनोगत व्यक्त कर रही थीं।

उन्होंने कहा कि आज जीवन के हर क्षेत्र में महिलाएं अग्रणी भूमिका निभा रही हैं और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए नवी मुंबई महानगरपालिका की ओर से आगे भी विभिन्न योजनाएं चलाई जाएंगी। विशेष रूप से एनएमएमटी परिवहन उपक्रम में महिला चालक तैयार करने के लिए उन्हें प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

इस अवसर पर महापौर श्रीमती सुजाता पाटिल के साथ बेलापुर विधानसभा क्षेत्र

की विधायक श्रीमती मंदाताई म्हात्रे, उपमहापौर श्री दशरथ भगत, स्थायी समिति सभापति श्री अशोक पाटिल, सभागृह नेता श्री सागर नाईक, अतिरिक्त आयुक्त श्री सुनील पवार, महिला एवं बाल कल्याण समिति सभापति श्रीमती सलुजा सुतार तथा उपसभापति एवं ब प्रभाग समिति सभापति श्रीमती रूपाली भगत, क प्रभाग समिति सभापति श्री प्रकाश मोरे, इ प्रभाग समिति सभापति श्रीमती चंद्रभागा मोरे, फ प्रभाग समिति सभापति श्रीमती ललिता मढवी, जी प्रभाग समिति सभापति श्रीमती हेमांगी सोनवणे, स्वास्थ्य समिति सभापति डॉ. जयाजी नाथ, विधि समिति सभापति श्रीमती सायली शिंदे, तथा नगरसेविका श्रीमती अंजनी भोईर, श्रीमती स्वाती गुरखे, श्रीमती स्वप्ना गावडे, श्रीमती शुभांगी पाटिल, श्रीमती गंगाताई पाटिल, श्रीमती रेखा म्हात्रे, श्रीमती संतोषी म्हात्रे, श्रीमती सुरेखा नरबागे, श्रीमती अंजना म्हात्रे, श्रीमती माधुरी हरिजन, श्रीमती मिनाक्षी पाटिल, श्रीमती ऐश्वर्या सोनावणे, श्रीमती दीक्षा कचरे, श्रीमती वैष्णवी नाईक, श्रीमती अदिती नाईक, श्रीमती ऐश्वर्या मढवी, परिवहन सदस्य श्रीमती राजश्री कातकरी, श्रीमती शीतल भोईर, पूर्व नगरसेविका डॉ. गौतमी सोनावणे, श्रीमती उषा भोईर, श्रीमती वैजयंती भगत, समाज विकास विभाग के उपआयुक्त श्री संजय शिंदे तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बेलापुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती मंदाताई म्हात्रे ने कहा कि स्त्री प्रेम का अथाह सागर है और परिवार तथा समाज में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपना नाम कमा रही हैं। उनके कौशल को उचित अवसर देने के लिए महानगरपालिका को पहल करनी चाहिए और महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि महानगरपालिका के निधि का सही उपयोग कर योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाना चाहिए। उपमहापौर श्री दशरथ भगत ने अपने संबोधन की शुरुआत नारी शक्ति को नमन करते हुए की और कहा कि आने वाले समय में सभी नगरसेवकों के माध्यम से योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के सामने एकीकृत डबल डेकर फ्लाईओवर पुणेकरों की सेवा में यातायात जाम से बड़ी राहत; आधारभूत संरचना की मजबूती से पुणे का विकास तेज - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पुणे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि तेजी से विकसित हो रहे शहर पुणे के लिए मजबूत आधारभूत संरचना अत्यंत आवश्यक है और शहर को यातायात जाम से मुक्त करने के लिए सरकार बहुआयामी योजनाएं बना रही है।

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के सामने बने एकीकृत डबल डेकर फ्लाईओवर का उद्घाटन रविवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दूरदर्शन के माध्यम से किया। इस अवसर पर वे बोल रहे थे।

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री तथा जिले की संरक्षक मंत्री सुनेत्रा अजित पवार, केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, राज्य मंत्री माधुरी मिसाल, महापौर मंजुषा नागपुरे, विधायक सिद्धार्थ शिरोले, पीएमआरडीए के आयुक्त डॉ. योगेश म्हसे, पुणे महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त पृथ्वीराज बी.पी. उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने कहा कि विद्यापीठ चौक स्थित पुराने पुल को हटाकर नया दो-स्तरीय फ्लाईओवर बनाने का निर्णय लेते समय कई कठिनाइयां और मतभेद सामने आए थे। हालांकि सभी को विश्वास में लेकर और विभिन्न दलों के नेताओं का सहयोग प्राप्त कर यह परियोजना सफलतापूर्वक पूरी की गई। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया में दिवंगत अजित दादा द्वारा की गई पहल महत्वपूर्ण रही।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना के शुरुआती चरण में कुछ मीडिया और नागरिकों ने आलोचना भी की थी, लेकिन शहर के दीर्घकालिक हित को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया। इस संदर्भ में अजित दादा ने एक भाषण में कहा था, 'हम इंजीनियर नहीं हैं, लेकिन इंजीनियरों द्वारा दी गई योजनाओं के अनुसार परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करना हमारा काम है।' उन्होंने कहा कि उन्होंने इस परियोजना को पूरा करने के लिए प्रयास किए और आज पुणे के नागरिक इसके सकारात्मक परिणाम देख रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने कहा कि पुणे देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे शहरों में से एक है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में बड़े विकास के बाद अब पुणे 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स' का भी एक महत्वपूर्ण केंद्र बनता जा रहा है। पिछले वर्ष देश में सबसे अधिक जीसीसी स्पेस पुणे में विकसित किए गए हैं, जिससे शहर का आर्थिक और औद्योगिक महत्व और बढ़ गया है। इस विकास को गति देने के लिए मजबूत आधारभूत संरचना का निर्माण बहुत जरूरी है।

उन्होंने कहा कि कुछ बड़े शहरों के विकास में आधारभूत संरचना की कमी के कारण धीमापन आया है। इसलिए सरकार की प्राथमिकता पुणे शहर को 'डी-कंजेस्ट' करना है। पुणे में सड़कों के लिए उपलब्ध जगह सीमित होने के कारण फ्लाईओवर, ग्रेड सेपरेटर, सबवे और सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के विस्तार के माध्यम से परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पुणे में परिवहन के तीनों स्तरों - जमीन पर, आकाश में और भूमिगत - पर एक साथ काम किया जा रहा है। इसके तहत पुणे और आसपास के क्षेत्रों के लिए दो रिंग रोड परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। साथ ही मेट्रो नेटवर्क का तेजी से विस्तार किया जा रहा है और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए पुणे महानगर परिवहन महामंडल लिमिटेड (पीएमपीएल) और अन्य सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि विश्वविद्यालय के सामने बने इस फ्लाईओवर का नाम दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नाम पर रखने के संबंध में व्यक्त भावनाओं से वे सहमत हैं और इस बारे में सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार ने कहा कि सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के सामने बने इस एकीकृत डबल डेकर फ्लाईओवर का यातायात के लिए खुलना पुणे शहर के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के सामने और गणेशखिंड रोड पर यातायात जाम कई वर्षों से पुणेकरों के लिए बड़ी समस्या था। इस समस्या के दीर्घकालिक समाधान के रूप में आधुनिक तकनीक से इस डबल डेकर फ्लाईओवर का निर्माण किया गया है।

उन्होंने बताया कि इस फ्लाईओवर का डिज़ाइन एकीकृत है, जिसमें ऊपरी स्तर पर मेट्रो लाइन के लिए फ्लाईओवर और निचले स्तर पर सड़क यातायात के लिए मार्ग है। औंध और बानेर से शिवाजीनगर जाने वाले यातायात के लिए अलग रैंप, शिवाजीनगर से बानेर और पाषाण जाने वाले वाहनों के लिए अलग फ्लाईओवर, सेनापति बापट रोड से जुड़ाव तथा अंडरपास के कारण इस क्षेत्र में यातायात तेज और सुगम होगा।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना के अवसर पर उन्हें अजित दादा की याद आई। उन्होंने विश्वविद्यालय के सामने पुराने पुल को यातायात के लिए अपर्याप्त होने के कारण हटाने का साहसिक निर्णय लिया था और आधुनिक डबल डेकर फ्लाईओवर के निर्माण के लिए लगातार प्रयास किए।

'सक्षम महिला - सशक्त महाराष्ट्र' समारोह में कर्तृत्ववान महिलाओं का सम्मान- मंत्री अदिति तटकरे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाकर उनके सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना तथा विभिन्न क्षेत्रों में समान अवसर उपलब्ध कराना महिला एवं बाल विकास विभाग का प्रमुख उद्देश्य है। विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर प्रतिकूल परिस्थितियों पर विजय प्राप्त करते हुए सफलता हासिल करने वाली कर्तृत्ववान महिलाओं का सम्मान किया जाएगा, ऐसी जानकारी महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने दी।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'सक्षम महिला - सशक्त महाराष्ट्र' नामक विशेष सम्मान समारोह 9 मार्च 2026 को दोपहर 1 बजे, यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान, नरीमन पॉइंट, मुंबई में आयोजित किया गया है।

यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित होगा। साथ ही उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार भी उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा राज्य मंत्री मेघना साकोरे-बोर्डीकर की विशेष उपस्थिति रहेगी।

इस कार्यक्रम में विधान परिषद के सभापति प्रा. राम शिंदे, उपसभापति डॉ. नीलम गोऱ्हे, लोकसभा सदस्य अरविंद सावंत, विधानसभा अध्यक्ष ॲड. राहुल नार्वेकर, विधानसभा उपाध्यक्ष अण्णा बनसोडे, मुख्य सचिव राजेश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रहेगी।

इस समारोह में अनाथ प्रमाणपत्र प्राप्त महिलाएं, बालगृह में रह चुकी महिलाएं, शक्ति सदन, निरीक्षण गृह, महिला आश्रम और महिला छात्रावास में रहने वाली महिलाएं तथा आंगनवाड़ी सेविकाएं जैसे विभिन्न वर्गों से संबंधित वे महिलाएं सम्मानित की जाएंगी, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों को पार करते हुए उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। इन महिलाओं ने समाज में प्रेरणादायक आदर्श स्थापित किया है। उनके कार्यों का सम्मान कर अन्य महिलाओं को भी प्रेरित करना ही इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है, ऐसा मंत्री अदिति तटकरे ने बताया।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का बीसवां स्थापना दिवस कल, राज ठाकरे रायगढ़ जाएंगे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना का बीसवां स्थापना दिवस नौ मार्च को मनाया जाएगा। इस अवसर पर पार्टी प्रमुख राज ठाकरे रायगढ़ किले पर जाकर छत्रपति शिवाजी महाराज को नमन करेंगे। इसके बाद दस मार्च से पार्टी के सदस्य बनाने का अभियान शुरू किया जाएगा।

राज ठाकरे ने सामाजिक माध्यम पर संदेश जारी कर इस कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मराठी भाषा और मराठी लोगों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाली पार्टी के लिए यह दिन बहुत महत्वपूर्ण है।

रायगढ़ से शुरू होगा सदस्य बनाने का अभियान

राज ठाकरे ने कहा कि नौ मार्च की सुबह वह रायगढ़ किले पर जाकर छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि देंगे और वहीं से सदस्य बनाने के अभियान की शुरुआत करेंगे। रायगढ़ किला छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक का ऐतिहासिक साक्षी रहा है, इसलिए इसी पवित्र स्थान से अभियान शुरू किया जा रहा है।

केवल कार्यकर्ताओं तक सीमित नहीं रहेगा अभियान

उन्होंने कहा कि सदस्य बनाने का अभियान केवल पार्टी कार्यकर्ताओं तक सीमित नहीं रहेगा। जो लोग महाराष्ट्र के विकास में योगदान देना चाहते हैं और वर्तमान परिस्थितियों से नाराज हैं, उन्हें भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा।

डिजिटल माध्यम से भी होगी सदस्यता

पार्टी ने इस बार सदस्य बनाने की प्रक्रिया को डिजिटल माध्यम से भी करने का निर्णय लिया है। दस मार्च से इसके बारे में पूरी जानकारी दी जाएगी।

राज ठाकरे ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे बाजार, विद्यालय, मंदिर, महाविद्यालय, खेल मैदान और बाग जैसे भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सदस्य बनाने के लिए मेज लगाएं और लोगों से बातचीत करके उन्हें पार्टी से जोड़ें।

उन्नीस मार्च को होगा बड़ा कार्यक्रम

राज ठाकरे ने बताया कि उन्नीस मार्च को गुढ़ी पड़वा के अवसर पर शिवतीर्थ में भी बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें महाराष्ट्र के अलग-अलग हिस्सों से कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं और राज्य तथा परिवार की देखभाल करने की अपील की।

विश्व महिला दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा एचपीवी टीकाकरण और 'पिंक ओपीडी' का शुभारंभ

9.84 लाख लड़कियों को गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर से सुरक्षा- उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों अभियान का शुभारंभ

मुंबई।राज्य की लड़कियों को गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर से बचाने के लिए 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की लगभग 9 लाख 84 हजार लड़कियों को एचपीवी (एच्ड) प्रतिबंधक टीका देने के अभियान तथा 'पिंक ओपीडी' का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हाथों मुंबई में किया गया।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली, बदली हुई खानपान की आदतों और बढ़ते तनाव के कारण कैंसर जैसे गंभीर रोगों के मामले बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। इसलिए बीमारी होने के बाद इलाज करने की बजाय 'रोकथाम इलाज से बेहतर है' के सिद्धांत के अनुसार प्रतिबंधात्मक उपाय करना बहुत आवश्यक है। एचपीवी टीकाकरण इसी दिशा में उठाया गया एक बड़ा और सराहनीय कदम है।

उन्होंने बताया कि राज्य में 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की लड़कियों को एचपीवी टीका देने का यह व्यापक अभियान चलाया जा रहा है, जिससे गर्भाशय ग्रीवा कैंसर पर प्रभावी रोक लगाई जा सकेगी। वैश्विक स्तर पर कैंसर एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बनता जा रहा है, ऐसे में राज्य सरकार इस दिशा में सक्रिय कदम उठा रही है।

'मां सुरक्षित तो परिवार सुरक्षित'

मुख्यमंत्री रहते हुए चलाए गए 'मां सुरक्षित तो परिवार सुरक्षित' अभियान को याद करते हुए शिंदे ने बताया कि इस अभियान के तहत 3 करोड़ महिलाओं की जांच की गई थी। इनमें से लगभग 10 हजार महिलाओं में कैंसर की शुरुआती अवस्था में पहचान हुई। बीमारी शुरुआती चरण में मिलने के कारण अनेक माताओं और बहनों का जीवन बचाना संभव हुआ, यह हमारे लिए संतोष की बात है।

हाल ही में शुरू की गई मैमोग्राफी जांच की आठ मोबाइल गाड़ियों के माध्यम से गांव-गांव में जांच शुरू की गई है और अब तक 2 करोड़ 91 लाख महिलाओं की जांच की जा चुकी है। आवश्यकता पड़ने पर और गाड़ियां उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रयास करेगी। इसके लिए जिला नियोजन समिति, राज्य संसाधन तथा स्वास्थ्य बजट से निधि उपलब्ध कराने पर विचार किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि राज्य के कई अस्पतालों की इमारतें 60 से 70 प्रतिशत तक बन चुकी हैं और उन्हें जल्द से जल्द 100 प्रतिशत पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए कम ब्याज दर पर निधि प्राप्त करने हेतु एडीबी बैंक और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं से आर्थिक सहायता लेने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके साथ ही सार्वजनिक-निजी सहभागिता मॉडल के माध्यम से स्वास्थ्य क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं के निर्माण को भी मंजूरी दी गई है। नामी संस्थाओं के सहयोग से आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिनका लाभ आम नागरिकों को मिलेगा।

मुख्यमंत्री रहते हुए शुरू किए गए 'शासन आपके द्वार' अभियान का उल्लेख करते हुए शिंदे ने बताया कि इस अभियान से लगभग 5 करोड़ नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिला।

इसी तर्ज पर अब हिंदुहृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे की जन्मशताब्दी के अवसर पर 'आरोग्य आपके द्वार' की संकल्पना आगे लाई गई है, जिसके तहत स्वास्थ्य सेवाएं सीधे लोगों तक पहुंचाने का बड़ा प्रयास किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए दुर्गम क्षेत्रों के दौरों का अनुभव साझा करते हुए शिंदे ने बताया कि उन्होंने राज्य की सीमा पर स्थित रंगुबेली जैसे दूरस्थ गांवों का दौरा कर स्वास्थ्य व्यवस्था की समीक्षा की थी। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि स्वतंत्रता के बाद कोई भी मंत्री उस क्षेत्र में नहीं पहुंचा था।

इस अनुभव से स्पष्ट हुआ कि दूरदराज और आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करना समय की मांग है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रहते हुए मुख्यमंत्री सहायता निधि से 70 से 80 हजार मरीजों को लगभग 450 करोड़ रुपये की मदद दी गई। आज भी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में इस निधि से बड़ी संख्या में मरीजों को सहायता मिल रही है।

राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने 'मुख्यमंत्री मेरी लाडली बहन योजना', 'लाडली लखपति योजना', एसटी बस यात्रा में 50 प्रतिशत छूट तथा नाम के साथ मां का नाम जोड़ने के ऐतिहासिक निर्णय का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि महिलाओं का स्वास्थ्य अच्छा होगा तभी परिवार और समाज मजबूत रहेगा। घर की रीढ़ मां, बहन और पत्नी होती हैं, इसलिए महिलाओं के स्वास्थ्य की देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी है।

विश्व महिला दिवस के अवसर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिला डॉक्टरों, सर्जनों, नर्सों और स्वास्थ्य सेविकाओं को सम्मानित किया गया।

किसानों के मुद्दों पर कांग्रेस का भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ बड़ा मार्च, कई जगह लग सकता है लंबा जाम

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। किसानों के मुद्दों को लेकर कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ बड़ा मार्च निकालने का ऐलान किया है। यह मार्च सोमवार को निकाला जाएगा, जिसमें केंद्र सरकार और राज्य सरकार की किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ आवाज उठाई जाएगी।

इस मार्च का नेतृत्व महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल करेंगे। यह मार्च कलमनुरी से हिंगोली तक निकाला जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे।

किसानों के मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार द्वारा अमेरिका के साथ किया गया व्यापार समझौता देश के किसानों और खेती के क्षेत्र के लिए बड़ा संकट पैदा कर सकता है। उनका कहना है कि इस समझौते के कारण कृषि उत्पादों को उचित मूल्य नहीं मिलेगा, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति और कमजोर हो सकती है।

हर्षवर्धन सपकाल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समझौते में अमेरिका के सामने पूरी तरह झुकाव दिखाया है। उनका कहना है कि इससे किसानों की परेशानियां बढ़ सकती हैं और आत्महत्याओं की घटनाएं भी बढ़ने का खतरा है।

रोजगार योजना और राजमार्ग परियोजना का भी विरोध

कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब और मेहनतकश लोगों के लिए शुरू की गई महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को कमजोर कर दिया है।

इसके साथ ही कांग्रेस ने शक्ति पीठ राजमार्ग परियोजना का भी विरोध किया है। पार्टी का कहना है कि इस परियोजना के कारण किसानों की खेती की जमीन ली जा रही है और किसानों के विरोध के बावजूद सरकार इस योजना को आगे बढ़ा रही है।

यातायात प्रभावित होने की आशंका

इस मार्च में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। ऐसे में कलमनुरी से हिंगोली तक सड़क मार्ग पर यातायात प्रभावित हो सकता है और कई स्थानों पर लंबा जाम लगने की आशंका जताई जा रही है।

इस मार्च के आयोजन की जिम्मेदारी महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहन जोशी संभाल रहे हैं। उनके साथ प्रदेश उपाध्यक्ष सचिन नाइक और हिंगोली जिला कांग्रेस समिति के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी इस मार्च में भाग लेंगे।

गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमत पर शरद पवार की पार्टी का 'चूल्हा जलाओ' आंदोलन, नेताओं ने सड़क पर बनाया खाना

मुंबई। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी के विरोध में शरद पवार की पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) ने ठाणे में अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने 'चूल्हा जलाओ आंदोलन' के तहत सड़क पर चूल्हा जलाकर खाना बनाते हुए सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

बताया जा रहा है कि इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में साठ रुपये और व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमत में एक सौ अठारह रुपये की बढ़ोतरी की गई है। इसी बढ़ोतरी के विरोध में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने ठाणे जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया।

सड़क पर चूल्हा जलाकर किया विरोध प्रदर्शन

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने चूल्हा जलाया, उस पर चावल पकाए और रोटी सेंककर सरकार के खिलाफ नारे लगाए। इस आंदोलन का नेतृत्व जिला अध्यक्ष मनोज प्रधान, महिला अध्यक्ष मनीषा भगत और युवा अध्यक्ष अभिजीत पवार ने किया।

महंगाई से बिगड़ेगा आम लोगों का बजट

इस मौके पर मनोज प्रधान ने कहा कि युद्ध के नाम पर गैस की कीमत बढ़ाना आम लोगों के साथ अन्याय है। उनका कहना था कि जब पहले से ही महंगाई बढ़ी हुई है, तब इस तरह कीमत बढ़ाने से आम आदमी के घर का बजट बिगड़ जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि एक तरफ सरकार महिलाओं को सम्मान की बात करती है, वहीं महिला दिवस से ठीक पहले गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ाकर आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया गया है।

कीमत तुरंत वापस लेने की मांग

महिला अध्यक्ष मनीषा भगत ने मांग की कि सरकार गैस सिलेंडर की बढ़ी हुई कीमत को तुरंत वापस ले। उनका कहना था कि युद्ध के नाम पर कीमत बढ़ाना जनता के साथ अन्याय है।

स्थानीय लोगों का भी कहना है कि गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ने से उनके घरेलू बजट पर सीधा असर पड़ेगा और अन्य जरूरी खर्चों पर भी दबाव बढ़ेगा।

ईरान-इजरायल युद्धः दुबई में फंसे बारह सौ से अधिक मराठी पर्यटक, सरकार ने सहायता दूरभाष सेवा शुरू की

मुंबई। ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध के कारण दुबई में फंसे महाराष्ट्र के मराठी पर्यटकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए राज्य सरकार ने विशेष सहायता व्यवस्था शुरू की है। अब तक पाँच सौ से अधिक यात्रियों को सुरक्षित भारत वापस लाया जा चुका है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण इस पूरे मामले पर लगातार नजर रखे हुए हैं और दुबई स्थित भारतीय दूतावास के साथ संपर्क बनाए हुए हैं।

सहायता दूरभाष सेवा की शुरुआत

दुबई में रह रहे मराठी समुदाय और प्रवासियों की मदद के लिए शुरू की गई विशेष सहायता दूरभाष सेवा को अब दुबई में फंसे महाराष्ट्र के पर्यटकों की सहायता के लिए सक्रिय कर दिया गया है। इस सेवा के माध्यम से प्रभावित यात्रियों को चौबीसों घंटे सहायता दी जा रही है।

केवल एक दिन के भीतर ही बारह सौ से अधिक प्रभावित यात्रियों ने सहायता के लिए संपर्क किया है। दुबई से इस पहल का संचालन कर रहे राहुल तुलपुले ने यह जानकारी दी।

यात्रियों को दी जा रही कई तरह की मदद

संयुक्त अरब अमीरात के पाँच शहरों में कार्यरत बीस से अधिक स्वयंसेवकों की टीम इस सेवा को चौबीस घंटे संचालित कर रही है। इसके माध्यम से फंसे यात्रियों को होटल में ठहरने की अवधि बढ़ाने, भोजन और दवाइयों की व्यवस्था कराने, अस्थायी आवास उपलब्ध कराने, परिवहन सुविधा देने तथा भारतीय दूतावास के साथ समन्वय स्थापित करने में सहायता दी जा रही है।

इसके अलावा यात्रियों को आवश्यक दवाइयाँ उपलब्ध कराने और इलाज में बाधा न आए, इसके लिए एक अलग चिकित्सा सहायता दल भी कार्यरत है। भारतीय दूतावास के साथ समन्वय सहायता दल दुबई स्थित भारतीय दूतावास के साथ लगातार संपर्क में है। भारतीय राजदूत और महावाणिज्य दूत से नियमित जानकारी लेकर उसे प्रभावित यात्रियों तक साझा किया जा रहा है। इसके लिए विशेष संवाद समूह भी बनाए गए हैं।

दो से छह मार्च के बीच दुबई के विभिन्न हवाई अड्डों और ओमान के मस्कट से उपलब्ध उड़ानों के माध्यम से पाँच सौ से अधिक यात्री सुरक्षित भारत लौट चुके हैं।

यात्रियों के लिए परिवहन की व्यवस्था

परिवहन समन्वयक प्रसाद पाटील के नेतृत्व में फुजैराह और मस्कट जैसे वैकल्पिक प्रस्थान केंद्रों तक यात्रियों को पहुंचाने के लिए वाहन व्यवस्था की जा रही है। वहीं नीलम नांदेडकर और श्वेता करंदीकर के नेतृत्व में कार्यरत सहायता दल छोटे बच्चों, शिशुओं और बुजुर्गों वाले परिवारों को विशेष सहायता प्रदान कर रहा है।

सम्पादकीय

होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होते ही बढ़ा वैश्विक खतरा, क्या ईरान-इजराइल युद्ध से दुनिया में ऊर्जा संकट गहराएगा

इस बात की आशंका पहले से ही थी कि ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद युद्ध का दायरा दूसरे क्षेत्रों में भी फैलेगा और इससे वैसे देश भी प्रभावित होंगे, जो इस जंग में भागीदार नहीं हैं। दोनों पक्षों के बीच घातक हथियारों के जरिए जारी हमले युद्ध के प्रत्यक्ष स्वरूप हैं, तो इसके समांतर अब ऐसे फैसले भी सामने आने लगे हैं, जो अगर लंबे समय तक टिके, तो इससे दुनिया के कई देशों की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित होगी।

गौरतलब है कि अमेरिका और इजराइल के हमले के जवाब में ईरान ने भी मिसाइलों के जरिए सैन्य हमलों का मोर्चा खोला हुआ है। मगर एक बड़े रणनीतिक फैसले के तहत उसने अपने प्रभाव क्षेत्र में आने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य को जिस तरह बंद कर दिया है, अगर जल्द ही उसे खोलने के लिए ठोस प्रयास नहीं हुए, तो कई देशों के सामने ऊर्जा का संकट गहरा सकता है। होर्मुज को एक सबसे महत्त्वपूर्ण समुद्री जलमार्ग माना जाता है, जहां से दुनिया भर में तेल और गैस आपूर्ति का करीब बीस से पच्चीस फीसद हिस्सा गुजरता है।

स्वाभाविक ही इस बात की आशंका अभी से जताई जाने लगी है कि अगर संकट गहराया, तो कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू सकती हैं और इसके बाद हवाई किराए, माल ढुलाई और खाद्य पदार्थों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो सकती है। साथ ही केंद्रीय बैंकों के सामने मुद्रास्फीति पर काबू पाने के लिए ब्याज दरों में बदलाव करना एक मजबूरी की नीति बन सकती है। यानी होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग के बाधित होने का व्यापक और बहुस्तरीय असर पड़ सकता है। फिलहाल ईरान ने इस रास्ते से सिर्फ चीन को आवाजाही की अनुमति दी है और कहा है कि अन्य देशों के जहाजों, खासतौर पर इजराइल और अमेरिका के समर्थक देशों के टैंकरों को रास्ता नहीं दिया जाएगा।

अंदाजा लगाया जा सकता है कि तेल और ऊर्जा के लिए जिन देशों की होमुर्ज जलडमरूमध्य के रास्ते पर निर्भरता है, वहां ईरान के इस फैसले का क्या प्रभाव पड़ सकता है। निश्चित तौर पर भारत पर भी इसका गंभीर असर पड़ेगा और अभी से इसका हल खोजने की कोशिश शुरू हो गई है, लेकिन जिस रास्ते से भारत अपने चालीस फीसद तेल की आपूर्ति पूरी करता है, उसमें तुरंत इसका नया विकल्प निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी होगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य को एक संकरे समुद्री रास्ते से ज्यादा आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की 'धड़कती नस' और ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से बेहद महत्त्वपूर्ण माना जाता है। इसके बाधित होने पर कई देश इसके असर की जद में आएंगे। भारत के पास फिलहाल छह से आठ हफ्ते का तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है और इस बीच अगर होर्मुज का रास्ता खोलने के प्रयास सफल नहीं हुए, तो ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रूस से भी तेल खरीदने की कोशिश हो सकती है।

अगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी भी हुई तो भारत के आयात खर्च में बड़ा इजाफा हो सकता है और इसके समांतर घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर गंभीर असर पड़ेगा। यह समझना मुश्किल नहीं है कि तेल या ऊर्जा के लिए होर्मुज के रास्ते पर निर्भर अन्य देश ईरान के फैसले से किस स्तर तक प्रभावित होंगे। ऐसे में समूचे पश्चिम एशिया में फैल चुके युद्ध को रोकने और तनाव को कम करने के उद्देश्य से इसमें शामिल पक्षों के साथ बिना देरी किए बातचीत

ईरान-अमेरिका-इज़राइल युद्ध देखते देखते भारत के दरवाजे तक पहुँच गया, दक्षिण एशियाई देशों की चिंता बढ़ी

हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर नई चिंता उभर कर सामने आई है क्योंकि अमेरिकी पनडुब्बी ने श्रीलंका के निकट अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में एक ईरानी युद्धपोत को डुबो दिया। इस घटना ने न केवल श्रीलंका बल्कि पूरे दक्षिण एशिया और विशेष रूप से भारत की सामरिक स्थिति पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह घटना इस बात का संकेत है कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष अब फारस की खाड़ी से निकल कर हिंद महासागर तक पहुंच गया है, जिसके दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। इस मुद्दे को लेकर राजनीति भी शुरू हो गयी है जहां श्रीलंका के सांसद इस मुद्दे पर अपनी सरकार से सवाल पूछ रहे हैं वहीं भारत में लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधा सवाल पूछा है।

हम आपको बता दें कि ईरान का युद्धपोत डेना बुधवार को उस समय डूब गया जब अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा दागा गया जल गोला उससे टकरा गया। यह घटना श्रीलंका के खोज और बचाव क्षेत्र के भीतर अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में हुई। श्रीलंका की नौसेना को युद्धपोत से संकट संदेश प्राप्त हुआ जिसके बाद बचाव अभियान चलाया गया। श्रीलंकाई नौसेना ने अब तक 87 शव बरामद किए हैं और 32 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। कई अन्य नाविक अभी भी लापता बताए जा रहे हैं और उनकी खोज के लिए अभियान जारी है।

हम आपको बता दें कि यह घटना श्रीलंका के प्रमुख बंदरगाह नगर गाले से लगभग चालीस किलोमीटर दक्षिण में हुई। यह स्थान फारस की खाड़ी से काफी दूर है, जहां ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष चल रहा है। इसलिए

इस घटना ने यह संकेत दिया है कि समुद्री संघर्ष का दायरा तेजी से फैल रहा है।

वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक संदेश के माध्यम से कहा है कि दुनिया इस समय अत्यंत अस्थिर दौर में प्रवेश कर चुकी है और आने वाले समय में हालात और कठिन हो सकते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि ईरान का युद्धपोत हिंद महासागर में डूबने की घटना यह दर्शाती है कि यह संघर्ष अब भारत के आसपास के समुद्री क्षेत्र तक पहुंच गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसे कठिन समय में देश को मजबूत और संतुलित नेतृत्व की आवश्यकता होती है, लेकिन सरकार की ओर से स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। उन्होंने कहा कि भारत की सामरिक स्वायत्तता को बनाए रखना इस समय अत्यंत आवश्यक है।

दूसरी ओर, श्रीलंका के सांसद नामल राजपक्षे ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा है कि यह केवल श्रीलंका की ही नहीं बल्कि पूरे हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। उनका कहना है कि युद्ध भले ही हजारों किलोमीटर दूर चल रहा हो, लेकिन उसके प्रभाव अब हिंद महासागर में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के तट से लगभग चालीस किलोमीटर दूर इस प्रकार की सैन्य गतिविधि यह दर्शाती है कि वैश्विक शक्तियों का संघर्ष अब इस समुद्री क्षेत्र तक फैल रहा है।

श्रीलंकाई सांसद नामल राजपक्षे ने श्रीलंका की सरकार से यह भी सवाल किया है कि क्या उसे इस सैन्य कार्रवाई की पहले से जानकारी थी? उनका कहना है कि सरकार को देश की जनता और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह इस हमले से पहले अवगत थी या नहीं? उन्होंने कहा कि यदि सरकार को पहले से जानकारी थी तो उसे यह बताना चाहिए कि ऐसी गतिविधि को लेकर कौन से कदम उठाए गए?

उन्होंने यह भी कहा कि यदि श्रीलंका को इस प्रकार की सैन्य गतिविधि की सूचना नहीं दी गई थी तो यह और भी गंभीर विषय है, क्योंकि इससे छोटे देशों की समुद्री संप्रभुता और सुरक्षा पर प्रश्न खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी बड़े देश की सैन्य कार्रवाई श्रीलंका के आसपास के जल क्षेत्र में होती है तो इस पर खुली चर्चा और पारदर्शिता आवश्यक है। राजपक्षे ने दक्षिण एशियाई देशों के बीच व्यापक संवाद की भी आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों को मिलकर हिंद महासागर की सुरक्षा पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कानून और प्रत्येक देश की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि बड़े देशों के बीच संघर्ष छोटे देशों के आसपास के समुद्री क्षेत्रों में फैलता है तो इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरता प्रभावित हो सकती है।

दूसरी ओर अमरीकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस हमले की पुष्टि करते हुए कहा है कि अमेरिकी पनडुब्बी ने अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में मौजूद एक ईरानी युद्धपोत को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई ईरान की सैन्य क्षमता को कमजोर करने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि ईरान की नौसैनिक शक्ति को सीमित करना उसकी रणनीति का महत्वपूर्ण भाग है।

देखा जाये तो हिंद महासागर में इस प्रकार की सैन्य कार्रवाई के कई महत्वपूर्ण सामरिक निहितार्थ हैं क्योंकि यह क्षेत्र विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया के बीच होने वाला विशाल व्यापार इसी समुद्री मार्ग से गुजरता है। यदि यहां सैन्य तनाव बढ़ता है तो वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही भारत के लिए यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। हिंद महासागर भारत की समुद्री सुरक्षा और आर्थिक हितों का मुख्य क्षेत्र है। यदि बाहरी शक्तियों का संघर्ष इस क्षेत्र में बढ़ता है तो भारत को अपनी नौसैनिक उपस्थिति और सामरिक सतर्कता बढ़ानी पड़ सकती है।

इसके अलावा, छोटे तटीय देशों जैसे श्रीलंका, मालदीव और बांग्लादेश के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है। ये देश बड़ी शक्तियों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश करते हैं, लेकिन यदि सैन्य टकराव उनके आसपास होने लगे तो उनकी सुरक्षा और कूटनीतिक स्थिति कठिन हो सकती है। साथ ही इस घटना से यह भी संकेत मिलता है कि भविष्य के युद्ध केवल सीमित क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि समुद्र के विशाल क्षेत्रों में फैल सकते हैं। इससे हिंद महासागर आने वाले समय में वैश्विक शक्ति संतुलन का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।

बहरहाल, श्रीलंका के निकट हुई यह घटना इस बात का संकेत है कि पश्चिम एशिया का संघर्ष अब व्यापक समुद्री क्षेत्र तक फैल सकता है। ऐसे में दक्षिण एशियाई देशों के लिए आवश्यक है कि वह मिलकर क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करें और संभावित संकटों के लिए तैयार रहें।

जीवन का संतुलन क्यों बिगड़ता है, 'अपनी धुरी पर' लौटने का यह सरल मंत्र बदल सकता है सोच

नई शुरुआत हम सभी को लुभाती है, फिर वह नई किताब हो, नया काम हो, डायरी का नया पन्ना हो या हमारे जीवन का हर नया दिन। भले ही लंबे समय से हमारे लिए एक जैसा दृश्य स्थिर रूप से बना हुआ हो, पर नएपन की आहट भर से उम्मीद की एक झलक हम सबके मन को जगमग कर जाती है।

हम जीवन के किसी भी पायदान पर हों, नई शुरुआत हम सभी की आंखों में संभावना बनकर एक जैसा मुस्कुराती है। अपने जीवन में नवीनता लाना, जोश और खुशियों से उसे भर देना, यह हम सबकी अपने प्रति बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। नया होना स्वाभाविक प्रक्रिया है, जो सामान्य रूप से हमारे जीवन में लगातार घटित होती रहती है, यह बताती है कि हम जीवित हैं। हम कल से आज बेहतर हैं, संशोधित हैं, कुशल हैं, संतुलित हैं।

किसी भी नई शुरुआत के होने से पहले अल्प विराम का होना भी आवश्यक है, यह ठहराव हमें खुद के बारे में सोचने का समय देता है। अपने मन और जीवन को हम टटोल पाते हैं।

यह ठहराव नए की नींव रखता है, जिसमें अपनी वर्तमान स्थिति का आकलन किया जाता है, उसके अच्छे पक्षों को ले लिया जाता है और कमजोर पक्षों को हटाकर उसे संशोधित किया जाता है। कुछ और उजले पक्ष उसमें जोड़ दिए जाते हैं। इस तरह नई शुरुआत जीवन को और सुंदर, अर्थपूर्ण बना देती है। कई बार हम अपनी दैनिक जिम्मेदारियों में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि हमारे पास इस तरह के ठहराव को अपने जीवन में सम्मिलित करने का ध्यान ही नहीं रहता।

दिन, महीने और साल बदलते रहते हैं, हमारे आसपास का वातावरण और जीवन भी समय के साथ बदलता जाता है। यहां तक कि जिम्मेदारियों का भी स्वरूप बदल जाता है, पर हम एक चक्र में लगातार लंबे समय तक घूमते रहते हैं और फिर अचानक से सब कुछ थम जाता है।

फिर जीवन के प्रति नीरसता और खालीपन हम महसूस करने लगते हैं, हमारा मन और शरीर निष्क्रिय-सा हो जाता है, सब कुछ सामान्य नजर आते हुए भी अचानक से आई इस गहरी उदासी का कारण हम और हमारे परिजन समझ नहीं पाते। हम एक लंबी मानसिक और शारीरिक थकान से गुजर रहे होते हैं।

अपनी खुशियों और सपनों को अपनी प्राथमिकता की सूची में लगातार पीछे धकेलते रहने से हमने अपनी व्यक्तिगत नवीनता की प्रक्रिया को बाधित कर दिया होता है, जिसके चलते हमारा मनोबल टूट जाता है और जीवन रुक सा जाता है।

हालांकि जीवन को इस तरह के अवसाद से बचाने का स्थायी समाधान जिम्मेदारियों से बचने में नहीं है और न ही किसी तरह के जश्न, सैर-सपाटे, दोस्तों और परिवार से जुड़े रहने से हम इस अवस्था से बच सकते हैं।

यकीनन जीवन में इन सबका होना हमें स्वस्थ और खुश बनाए रखने में सहायक है, पर फिर सबके होते हुए भी हमारे मन को उदासी क्यों घेर लेती है?

अपने जीवन की कई समस्याओं के समाधान के लिए प्रकृति की ओर रुख करना हमेशा हितकर होता है। प्रकृति का संतुलन हमेशा से हमें चकित करता आया है। हम अपनी धरती से ही प्रेरणा ले सकते हैं, जिसकी संतुलित चाल से हमारा जीवन संभव है। हम सभी जानते हैं, धरती सूरज के चारों ओर लगातार चक्कर लगाती है, इसी वजह से दिन और रात का चक्र चलता है, मौसम बदलते हैं और जीवन संभव होता है। जिस तरह हम भी लगातार दूसरों की, अपनों की जरूरतों का खयाल रखते हैं, जिसके कारण हमें प्रेम, गरमाहट, आत्मीयता मिलती है, खुशियां मिलती हैं, जीवन को अर्थ मिलता है। गौर करने की बात है कि धरती सूरज के चारों ओर चक्कर लगाते समय खुद की धुरी पर भी लगातार घूम रही होती है। अगर वह अपनी धुरी पर घूमना बंद कर दे, तो जीवन ही असंभव हो जाएगा।

अपने जीवन में हमें कई सारी परिस्थितियों, विचारों और अपनी दिनचर्या में संतुलन साधने की जरूरत होती है। लगातार सक्रिय बने रहते हुए, कई सारी जिम्मेदारियों को निभाते हुए, सबके प्रिय व्यक्ति होते हुए भी अगर कभी उदासी घेर ले, तो समझ लेना चाहिए कि कहीं न कहीं संतुलन बिगड़ रहा है।

अपनों का खयाल रखते हुए खुद की जरूरतों का भी ध्यान रखकर संतुलन स्थापित करना बेहद आवश्यक है।

हमारे जीवन के केंद्र में हर हाल में, बिना अपराधबोध के हम अपने आप को रख सकते हैं। हमारी व्यक्तिगत उपलब्धियां, खुशियां, हमारा रास्ता, दिशा, लक्ष्य, दूसरों से पृथक हो, यह संभव है और स्वाभाविक भी।

मानसिक स्वावलंबन इसी तरह संभव हो सकता है, जो कि हमें स्वस्थ, मजबूत और संतुलित इंसान बनाता है।

जीवन में हमारा अपना एक छोटा-सा घेरा जरूर होना चाहिए, जिसके भीतर हमने अपनी छोटी-सी दुनिया बसाई हुई हो, जिसकी खुशियां, संतुष्टि किसी और पर बिल्कुल भी निर्भर नहीं करती हो।

यह वह कोना हो, जो वास्तव में हमारा घर हो, जिसमें हम खुद को सुरक्षित और खुश महसूस कर सकें।

किसी भी तरह की परेशानी में भी यहां हमें आराम मिल सके, हम फिर से तरोताजा हो सकें और वापस लौट सकें उन जिम्मेदारियों की ओर, जो हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, जिनके होने से हमें गरमाहट और प्रेम मिलता है, हमारे जीवन को अर्थ मिलता है।

जीवन का असली सुख सबको साथ लेकर चलने में जरूर है, पर जीवन संभव ही तब है, जब हम अपनी धुरी पर घूमना कभी न भूलें।

आधी आबादी का अनसुना सवाल - अधिकार, न्याय और सम्मान के लिए अब भी क्यों लड़ रही हैं भारत की महिलाएं?

एक स्त्री सुबह उठती है। चूल्हा जलाती है, बच्चों को स्कूल भेजती है, खेत में काम करने निकलती है या दफ्तर के लिए बस पकड़ती है। रात को लौटती है, थकी हुई, चुप। और फिर सो जाती है, अगली सुबह के लिए। उसके सपनों में एक सवाल बार-बार दस्तक देता है, क्या मेरा जीवन सिर्फ इतना ही है? क्या मुझे वह नहीं मिलेगा, जिसका मुझे हक है? यह सवाल भारत की करोड़ों महिलाओं की साझा पुकार है। इसी पुकार की गूंज में हर साल दुनिया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाती है, लेकिन जब उत्सव का शोर थम जाता है, तब भी स्त्री उसी देहरी पर खड़ी मिलती है, अधिकारों का बोझ सीने पर लिए, न्याय की प्रतीक्षा में। सवाल उठता है कि क्या वाकई कुछ बदल रहा है, या बस एक रस्म अदायगी बन गई है, जिसमें नेता भाषण देते हैं, कंपनियां रंग-बिरंगे विज्ञापन देती हैं और शाम होते-होते सब कुछ पहले जैसा हो जाता है?

इस वर्ष के महिला दिवस पर संयुक्त राष्ट्र का ध्येय-वाक्य है- 'अधिकार, न्याय और कार्रवाई, सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए।' ये केवल तीन शब्द नहीं, एक आईना हैं, जो हमें असलियत दिखाते हैं।भारत का संविधान दुनिया के सबसे प्रगतिशील दस्तावेजों में गिना जाता है। अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार देता है, अनुच्छेद 15 लिंग के आधार पर भेदभाव को वर्जित करता है और अनुच्छेद 21 हर नागरिक को गरिमा के साथ जीने का हक देता है।

हकीकत क्या है? जब एक पीड़िता थाने की सीढ़ियां चढ़ती है, या एक दहेज-पीड़िता न्याय पाने के लिए गवाह ढूंढ़ती है, एक कामकाजी स्त्री दफ्तर में उत्पीड़न की शिकायत करती है, तो उसे इन अनुच्छेदों की नहीं, जमीनी हकीकत की दीवार से टकराना पड़ता है। यही दीवार सबसे ऊंची है।

इस दीवार की ऊंचाई राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े मापते हैं। देश में महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में दोषसिद्धि की दर 30 फीसद से भी कम है। बलात्कार के मामलों में तो यह और भी कम है। थाने में प्राथमिकी दर्ज होने से लेकर अदालत में फैसला आने तक का सफर इतना लंबा, थकाने वाला और कई बार अपमानजनक होता है कि अधिकांश पीड़ित महिलाएं बीच रास्ते में ही हार मान लेती हैं।

गौरतलब है कि देश के उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय में महिला न्यायाधीशों की संख्या मात्र 14 से 17 फीसद के बीच है। जब न्याय देने की कुर्सी पर ही उनकी आवाज नहीं होगी, तो न्याय की परिभाषा किस नजरिए से गढ़ी जाएगी? वहीं, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में 30 फीसद से अधिक विवाहित महिलाओं ने शारीरिक या यौन हिंसा झेली है। इनमें से बहुत कम पुलिस या किसी सरकारी संस्था के पास जाती हैं। कई जंजीरें हैं, जो लोहे की नहीं, समाज की बनाई हुईं, जिन्हें तोड़ना कहीं ज्यादा मुश्किल होता है। सदियों से बनाई सोच को तोड़ने के लिए एक अलग किस्म का साहस चाहिए।

यह हिंसा बच्ची के जन्म के बाद शुरू हो जाती है। भारत के कई हिस्सों में आज भी बेटियों की शादी 18 वर्ष से पहले करा दी जाती है। कल तक जो लड़की स्कूल की किताबें पढ़ती थी, अगली सुबह 'घर-गृहस्थी' की जिम्मेदारी उठाने लगती है। उसका बचपन एक रात में खत्म हो जाता है, बिना उसकी मर्जी और उसके सपनों की परवाह किए।

इसके अलावा, दहेज का दानव खड़ा रहता है। कानूनन अपराध होते हुए भी दहेज सामाजिक परंपरा के नाम पर अब भी जारी है। हर साल कितनी ही महिलाएं इस आग में जलती हैं, कुछ शाब्दिक रूप से, कुछ भीतर से, चुपचाप।

जब समाज ने घर और बाजार में स्त्री को असुरक्षित किया, तो यह उम्मीद थी कि शायद डिजिटल दुनिया एक खुला आसमान होगी। मगर वहां भी वही पुरानी मानसिकता नए औजारों के साथ पहुंच गई।

आनलाइन उत्पीड़न, अश्लील तस्वीरें प्रचारित कर देने की धमकी, सोशल मीडिया के मंचों पर लगातार पीछा, ये सब महिलाओं को डिजिटल संसार से दूर धकेलने का काम कर रहे हैं। इस संकट को कृत्रिम मेधा ने और विकराल बना दिया है। छद्म तकनीक से बनाए जा रहे नकली वीडियो और तस्वीरें महिलाओं की जिंदगी बर्बाद करने का सबसे ताजा और भयावह हथियार हैं। पीड़िता न चाहते हुए भी एक ऐसी लड़ाई लड़ने पर मजबूर हो जाती है, जिसे उसने शुरू ही नहीं की थी। जिस रफ्तार से तकनीक बदल रही है, उस रफ्तार से हमारी कानूनी व्यवस्था नहीं बदल रही और इस अंतर की कीमत महिलाएं चुकाती हैं।

दरअसल, जो महिला आर्थिक रूप से किसी पर निर्भर है, वह हिंसा, अन्याय और शोषण के सामने मजबूर हो जाती है। वह जानती है कि अगर घर छोड़ा, तो जाएगी कहां, बच्चों को पालेगी कैसे। यही मजबूरी उसे उस घर में रोके रखती है, जो कई बार उसके लिए कैद साबित होता है।

भारत की महिला श्रम भागीदारी दर दुनिया के सबसे निचले पायदानों में से एक है। असुरक्षित परिवहन, कार्यस्थल पर उत्पीड़न, बच्चों की देखभाल के लिए सुविधाओं का अभाव- सब मिलकर उसे बाहर निकलने से रोकते हैं।

कानून तो काफी हैं, लेकिन कमी उनके ईमानदार क्रियान्वयन की है। हर थाने में महिला सहायता कक्ष हो, जो वास्तव में काम करे। द्रुत न्यायालयों की संख्या बढ़े और महिलाओं के मामले तय समयसीमा में निपटें।

जब व्यवस्था की नींव मजबूत होगी, तभी उस पर न्याय का महल खड़ा हो सकेगा। जब सोच बदलेगी, तभी व्यवस्था सुधरेगी। सोच बदलती है शिक्षा से।

स्कूल के पाठ्यक्रम में लड़के-लड़कियों के लिए लैंगिक समानता और स्त्री सम्मान की शिक्षा अनिवार्य हो। बचपन से बेटों को यह सिखाया जाए कि स्त्री का सम्मान उनकी जिम्मेदारी है, कोई एहसान नहीं।

अज्ञानता उत्पीड़कों की सबसे बड़ी ताकत है और जागरूकता उनकी सबसे बड़ी कमजोरी। शिक्षा से जागरूकता आएगी और जागरूकता से भागीदारी।

इन सबसे ऊपर जो बात है, वह है घर की दहलीज से शुरू होने वाली मानसिकता। कानून ढांचा देते हैं, राजनीति रास्ता खोलती है, लेकिन असली बदलाव तब आता है, जब सोच बदलती है।

जब 'बेटी बचाओ' का नारा केवल दीवारों पर नहीं, दिलों में उतरेगाष्ठ जब किसी लड़की का आगे पढ़ना, नौकरी करना, अपनी पसंद से जीवन चुनना, इन सब पर समाज की नहीं, उसकी अपनी मर्जी चलेगी, जब एक बच्ची के पैदा होते ही घर में वही रोशनी होगी जो बेटे के जन्म पर होती है, तब समझना चाहिए कि हम सभ्य होने की राह पर चल पड़े हैं।

'विकसित भारत' का सपना तब तक अधूरा है, जब तक आधी आबादी न्याय और सम्मान के लिए संघर्ष करती रहेगी। कोई भी देश तब तक सही मायने में आगे नहीं बढ़ सकता, जब तक उसकी बेटियां डर-डर कर जी रही हों। कोई समाज तब तक सभ्य नहीं कहा जा सकता, जब तक महिलाएं रात को अकेले बाहर निकलने में असुरक्षित महसूस करती हों।

18 बार पेट में घोंपे चाकू, काटी जुबान!

बड़ी ही बेरहमी से फेमस इन्फ्लुएंसर की कर दी रूह कंपा देने वाली हत्या, परिवार ने किए रोंगटे खड़े करने वाले खुलासे

लखनऊ **(एजेंसी)**। कनाडा से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां भारतीय मूल की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नैन्सी ग्रेवाल की कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना कनाडा के लासेल शहर में मंगलवार शाम हुई।

परिवार के मुताबिक अज्ञात हमलावरों ने एक घर के बाहर नैन्सी ग्रेवाल पर हमला किया, जिसमें उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद परिवार ने हत्या के पीछे पुराने विवाद और धमकियों को कारण बताया है। नैन्सी की मां शिंदर पाल ग्रेवाल ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने उनकी बेटी के पेट में कई बार चाकू से वार किया। उन्होंने दावा किया कि हत्या पहले हुए झगड़े के कारण की गई और हमलावरों ने ऐसी जगह हमला किया जहां कोई सीसीटीवी कैमरा मौजूद नहीं था। परिवार के अनुसार, नैन्सी एक मरीज से मिलने के लिए लासेल गई थीं। शाम को जैसे ही वह घर से बाहर निकलीं, कथित तौर पर उन पर हमला कर दिया गया।

परिवार का कहना है कि नैन्सी को पहले भी जान से मारने की धमकियां मिल चुकी थीं। उनकी मां के अनुसार लगभग दो महीने पहले उनके घर में आग लगाने की घटना भी हुई थी, जिसकी शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई थी। वहीं नैन्सी की बहन का कहना है कि 15 दिन पहले ही दोस्त ने इन्फ्लुएंसर को अलर्ट भी किया था।

परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि नैन्सी का काउंटी रोड स्थित एक गुरुद्वारा से जुड़े कुछ लोगों के साथ विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि नैन्सी ने गुरुद्वारे से कथित तौर पर राशन चोरी होने की बात उठाई थी और वहां निगरानी के लिए कैमरे लगाने में मदद की थी। उनकी मां के मुताबिक, नैन्सी ने दबाव के बावजूद माफी मांगने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद विवाद और बढ़ गया।

नैन्सी ग्रेवाल सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय थीं और अक्सर ऑनलाइन मिलने वाले नकारात्मक कमेंट्स का जवाब देती थीं। हालांकि पिछले तीन महीनों से उन्होंने कोई नया वीडियो पोस्ट नहीं किया था क्योंकि वह अपने पेशेवर काम पर ध्यान दे रही थीं। परिवार के अनुसार, वह पेशे से एक नर्स थीं और कई बार दिन में 16 घंटे तक की शिफ्ट में काम करती थीं।

नैन्सी ग्रेवाल की उम्र 45 वर्ष बताई जा रही है। तलाक के बाद उन्होंने दोबारा शादी नहीं की थी। फिलहाल उनकी बॉडी कनाडा के एक मॉर्चरी में रखी गई है और उनकी मां ने वहां जाकर अंतिम दर्शन करने की बात कही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हमलावरों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

लुका-छिपी बंद करें और बीजेपी में शामिल हो जाएं मायावती-बसपा सुप्रीम पर कांग्रेस नेता उदित राज का करारा हमला

लखनऊ **(एजेंसी)**। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल संबंधी राजनीतिक विवाद को ''अति दुर्भाग्यपूर्ण'' बताते हुए रविवार को कहा कि सभी को भारतीय संविधान की मान-मर्यादा के मुताबिक राष्ट्रपति पद का सम्मान करना चाहिए और इस ओहदे का किसी भी रूप में राजनीतिकरण करना ठीक नहीं है। इसे लेकर कांग्रेस नेता उदित राज ने मायावती पर करारा हमला बोला है। उन्होंने तंज करते हुए एक्स पर पोस्ट कर कहा कि आप बीजेपी में शामिल क्यों नहीं हो जातीं? राष्ट्रपति महोदया मुर्मू जी को नई संसद भवन के उद्घाटन पर जब मोदी जी ने नहीं बुलाया, तब क्या उनका अपमान नहीं हुआ? राम मंदिर के उद्घाटन पर भी उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया। तब आपको प्रोटोकॉल का ख्याल क्यों नहीं आया?

संसद भवन में अन्य पत्रकारों और फिल्मी दुनिया के लोगों को आमंत्रित किया गया, तब राष्ट्रपति महोदया क्यों चुप रहीं? खुद मुर्मू जी ने भी कभी अपने सम्मान की बात नहीं उठाई। जब मोदी सरकार ने आदिवासियों का आरक्षण छीन

लिया, तब भी मुर्मू जी ने कुछ नहीं कहा। छत्तीसगढ़ और ओडिशा में आदिवासियों पर अत्याचार हुए, तब भी वे नहीं बोलीं। मायावती जी को बस बहाना चाहिए बीजेपी के साथ खड़ा होने का। लुका-छिपी बंद करें और बीजेपी में शामिल हो जाएं। कांग्रेस को सत्ता में आने दें ताकि एससी/एसटी/ओबीसी का फिर से भला होना शुरू हो सके।

आप को बता दें कि राष्ट्रपति मुर्मू को 7 मार्च को आदिवासी समुदाय के हर साल होने वाले प्रोग्राम 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस में बुलाया गया था। कार्यक्रम सिलीगुड़ी के बिधाननगर में होना तय था। हालांकि सुरक्षा और दूसरे लॉजिस्टिक कारणों का हवाला देते हुए, अधिकारियों ने जगह को बागडोगरा एयरपोर्ट के पास गोपालपुर में शिफ्ट कर दिया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कार्यक्रम स्थल बदले जाने पर नाराजगी जताते हुआ कहा कि मुझे लगता है बंगाल सरकार आदिवासियों का भला नहीं चाहतीं। नॉर्थ बंगाल दौरे पर न तो मुख्यमंत्री और न ही कोई मंत्री मुझे रिसीव करने आया। मुझे नहीं पता कि ममता मुझसे नाराज हैं या नहीं। वैसे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आप सब ठीक रहें। फिलहाल इस घटना को लेकर अब सियासत हो रही है। इसी कड़ी में मायावती ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि वर्तमान में देश की राष्ट्रपति एक महिला होने के साथ-साथ आदिवासी समाज से भी हैं, लेकिन अभी हाल में पश्चिम बंगाल में उनके दौरे में जो कुछ भी हुआ, वह नहीं होना चाहिये था। उन्होंने कहा कि यह घटना ''अति-दुर्भाग्यपूर्ण है।''

मायावती ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लेकर जारी राजनीतिक घटनाक्रम पर भी चिंता जाहिर करते हुए कहा, ''इसी प्रकार, पिछले कुछ समय से संसद में भी खासकर लोकसभा अध्यक्ष के पद का जो राजनीतिकरण कर दिया गया है, वह भी उचित नहीं है। सभी को संवैधानिक पदों का दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आदर-सम्मान करना चाहिए एवं उनकी गरिमा का ध्यान रखना चाहिये।'' मायावती ने आशा व्यक्त की कि सोमवार से शुरू होने वाला संसद का आगामी सत्र देश और जनता के हित में सुचारू रूप से चलेगा।

मुख्यमंत्री योगी की मां पर विवादित टिप्पणी! मौलाना के खिलाफ लखनऊ समेत कई जिलों में प्रदर्शन, लोगों ने की गिरफ्तारी की मांग

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां पर बिहार के मौलाना अब्दुल्ला सलीम ने एक विवादित टिप्पणी कर दी थी। जिसके बाद प्रदेश का माहौल काफी गरमा गया है और कई जिलों में प्रदर्शन शुरू हो गया है। लोगों ने नाराजगी जताते हुए मौलाना के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। इसी तनाव को देखते हुए पुलिस ने पूरे राज्य में अलर्ट भी जारी कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, इस विवादित टिप्पणी के विरोध में शनिवार को लखनऊ के अटल चौराहा पर युवाओं ने मौलाना का पुतला फूंका। उन्होंने उसके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की और कहा कि माता को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी को स्वीकार नहीं किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों का ये भी कहना था कि इस तरह के बयान से समाज में गलत संदेश जाता है। उन्होंने कहा कि मौलाना को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने चार दिनों के अंदर मौलाना पर कार्रवाई करने की मांग की है और कहा है अगर ऐसा नहीं किया जाता तो राजधानी लखनऊ में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, राजधानी लखनऊ समेत देवरिया, रायबरेली और सिद्धार्थनगर जिलों में भी लोग सड़कों पर उतर आए है और मौलाना के बयान का विरोध कर रहे है। इन हालात को देखते हुए पुलिस और प्रशासन को पूरी तरह सतर्क हो गए है। अधिकारियों का कहना है कि इन हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

पति से नाराज विवाहिता ने उठाया खौफनाक कदम, घर में मच गई चीखपुकार

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के सुलतानपुर जिले के कूरेभार थाना क्षेत्र में रविवार को एक विवाहिता ने नहर के किनारे पेड़ से फंदा लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी आशुतोष कुमार ने बताया कि रविवार सुबह सूचना मिली कि मुंजेश नगर चौराहे के पास नहर के किनारे एक महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है।

उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि महिला अपनी ही साड़ी से फंदा लगाकर पेड़ से लटकी हुई है, जिसका आधा शरीर नहर के पानी में तथा आधा पानी के ऊपर था। कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया शरीर पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं पाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि पूछताछ में पता चला है कि लगभग 26 वर्षीय महिला का विवाह करीब सात वर्ष पहले हुआ था और वह परिवार में किसी बात को लेकर नाराज होकर अपने ससुराल से निकल गई थी। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

आज का राजा गाय को माता नहीं मान रहा, इसलिए उसे ललकारना जरूरी : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

लखनऊ **(एजेंसी)**। ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि आज का राजा गाय को माता नहीं मान रहा है, बल्कि उसे संपत्ति के रूप में देखने लगा है, ऐसे में उसे ललकारना आवश्यक हो गया है। इससे पहले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने शनिवार को काशी से लखनऊ के लिए यात्रा की शुरुआत की और 11 मार्च को लखनऊ में पहुंचकर गोरक्षा अभियान का आगे का शंखनाद करेंगे। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद उत्तर प्रदेश के जौनपुर पहुंचे और यहां उन्होंने गोमती नदी तट पर स्थित जमैथा गांव में महर्षि यमदग्नि मुनि के आश्रम में दर्शन-पूजन किया।

इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 'आज का राजा गाय को माता नहीं मान रहा है, बल्कि उसे संपत्ति के रूप में देखने लगा है। ऐसे में उसे ललकारना आवश्यक हो गया है।' शंकराचार्य ने कहा कि जौनपुर की यह धरती महर्षि यमदग्नि और भगवान परशुराम की तपोभूमि रही है। गोमती नदी के किनारे ही गाय की सेवा और संरक्षण की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि जमैथा गांव में गोमती नदी के तट पर महर्षि यमदग्नि ने गाय की सेवा की थी। उस समय के राजा ने जबरन उनकी गाय छीन ली थी। जब

यह बात उनके पुत्र भगवान परशुराम को पता चली तो उन्होंने अन्याय के खिलाफ खड़े होकर राजा और उसकी सेना का वध कर गाय को वापस लिया था।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि गाय भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा में माता के समान मानी जाती है, यदि शासन व्यवस्था उसे केवल संपत्ति मानकर देखेगी तो यह परंपरा और आस्था का अपमान है। इसलिए संत समाज इस विषय पर आवाज उठाने को बाध्य है। उन्होंने कहा कि जौनपुर आकर महर्षि यमदग्नि का आशीर्वाद लेकर वह अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करने का संकल्प लेकर निकले हैं। उन्होंने कहा कि संत समाज का दायित्व है कि वह समाज और धर्म की रक्षा के लिए समय-समय पर सच बोले और अन्याय का विरोध करे।

महिलाओं को 2500 रुपए हर महीने, साल में 6 फ्री एलपीजी सिलेंडर तमिलनाडु चुनाव 2026 से पहले एक्टर विजय के बड़े वादे

चेन्नई **(एजेंसी)**। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 से पहले अभिनेता और राजनेता विजय ने महिलाओं के लिए कई बड़ी योजनाओं का ऐलान किया है। उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके)की ओर से चेन्नई में आयोजित महिला दिवस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह घोषणाएं कीं।

विजय ने कहा कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो राज्य की महिलाओं को आर्थिक मदद, मुफ्त गैस सिलेंडर, मुफ्त बस यात्रा और कई अन्य सुविधाएं दी जाएंगी।

विजय ने घोषणा की कि उनकी पार्टी 60 साल से कम उम्र की परिवार की महिला मुखियाओं को हर महीने 2, 500 रुपये की आर्थिक सहायता देगी। हालांकि इस योजना में राज्य और केंद्र सरकार के कर्मचारियों के परिवार शामिल नहीं होंगे। इसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की महिलाओं को सीधे आर्थिक सहारा देना है। विजय ने यह भी कहा कि अगर उनकी पार्टी सरकार बनाती है तो हर परिवार को साल में 6 एलपीजी सिलेंडर मुफ्त दिए जाएंगे। उनका कहना है कि इससे घरों के खर्च में कमी आएगी और महिलाओं को बड़ी राहत मिलेगी।

उन्होंने 'अन्नान सीर' शादी सहायता योजना का भी ऐलान किया। इसके तहत सरकार लड़कियों की शादी के समय 8 ग्राम सोना और एक सिल्क साड़ी देगी। इस योजना का मकसद आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की शादी में मदद करना है।

विजय ने कहा कि तमिलनाडु की सभी सरकारी बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जाएगी। इससे कामकाजी महिलाओं और छात्राओं को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने कामराज शिक्षा आश्वासन योजना की घोषणा भी की। इस योजना के तहत कक्षा 9 से 12 तक पढ़ाई छोड़ने वाले छात्रों को रोकने के लिए हर साल 15, 000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी, ताकि छात्र

अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

विजय ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी कई अहम घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाएगी। अपराध रोकने के लिए 'रानी वेलु नाचियार' नाम की 500 विशेष टीमें बनाई जाएंगी, जिनके पास बॉडी कैमरे होंगे और जो अलग-अलग इलाकों में सुरक्षा निगरानी करेंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि शेयर ऑटो सहित सभी सार्वजनिक परिवहन वाहनों में पैनिक बटन लगाए जाएंगे, जिन्हें सीधे कंट्रोल सेंटर से जोड़ा जाएगा। इसके अलावा शहरों में अंधेरे और असुरक्षित इलाकों (डार्क स्पॉट) को खत्म करने के लिए सीसीटीवी कैमरे और स्ट्रीट लाइटिंग बढ़ाई जाएगी।

महिलाओं से जुड़े अपराधों की सुनवाई जल्दी करने के लिए विजय ने 'अंजलि अम्मल' फास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने का भी वादा किया। इन अदालतों में महिला अपराधों से जुड़े मामलों की तेज सुनवाई की जाएगी।

विजय ने 'सिंगा पेंगल डेवलपमेंट स्कीम' की घोषणा करते हुए कहा कि महिला सेल्फ-हेल्प ग्रुप को एमएसएमई शुरू करने के लिए 5 लाख रुपये तक का ब्याज-मुक्त लोन दिया जाएगा। इससे महिलाओं को अपना कारोबार शुरू करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि राशन की दुकानों और शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से मुफ्त सैनिटरी पैड बांटे जाएंगे, ताकि महिलाओं और छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं मिल सकें।

विजय ने 'थाई मां' योजना का भी ऐलान किया। इसके तहत तमिलनाडु में जन्म लेने वाली हर बच्ची को एक सोने की अंगूठी और वेलकम किट दी जाएगी। इस किट में नवजात शिशु की देखभाल के लिए जरूरी सामान शामिल होगा।

जब यह सवाल उठाया गया कि तमिलनाडु पर बढ़ते कर्ज के बावजूद इन योजनाओं के लिए पैसा कहां से आएगा, तो विजय ने कहा कि समस्या पैसे की कमी नहीं बल्कि भ्रष्टाचार है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में '30इ स्टालिन टैक्स' की तरह भ्रष्टाचार हो रहा है, यानी सार्वजनिक फंड का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। उनका कहना है कि अगर भ्रष्टाचार खत्म कर दिया जाए तो इन योजनाओं को आसानी से लागू किया जा सकता है।

अपने निजी मामलों को लेकर चल रहे विवादों पर विजय ने कहा कि वह देख रहे हैं कि उनके समर्थक इन मुद्दों को लेकर परेशान हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह खुद इन मामलों से निपट लेंगे और लोगों से अपील की कि वे सिर्फ जनता की समस्याओं पर ध्यान दें और निराश न हों।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवसः महिला सशक्तिकरण के संदेश के साथ रेखा गुप्ता ने शक्ति वॉक में लिया हिस्सा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर रविवार को यहां कर्तव्य पथ पर 'शक्ति वॉक' का आयोजन किया गया, जिसे दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने महिलाओं की सामूहिक शक्ति और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान का प्रतीक बताया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अनुप्रिया पटेल, राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर के साथ सैकड़ों महिलाएं भी शामिल हुईं।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि यह कार्यक्रम महिलाओं के सशक्तीकरण और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को दर्शाता है। गुप्ता ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा, 'आज, इस कर्तव्य पथ के माध्यम से, हमें यह याद दिलाया जाता है कि हमारी जिम्मेदारी न केवल हमारे प्रति या हमारे परिवारों के प्रति है, बल्कि समाज और देश के प्रति भी है।'

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि देशभर में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं को उन्हें आगे बढ़ने और नयी उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

फिर बदलेगा मौसम! 9 से 12 मार्च तक भारी बारिश की चेतावनी, आईएमडी का कई राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। 2025 का मानसून देशभर में रिकॉर्ड तोड़ बारिश लेकर आया। इस दौरान मौसम रहा सुहावना और कई राज्यों में बारिश के स्तर ने पुराने रिकॉर्ड्स को पीछे छोड़ दिया। नदियाँ, तालाब और बांध पूरी क्षमता से भर गए। हालांकि गर्मी अब धीरे-धीरे कई राज्यों में दस्तक दे रही है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में अभी भी बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 2026 में भी बारिश का दौर जोरदार रहने की संभावना है। आईएमडी ने 9 से 12 मार्च तक केरल, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, तमिलनाडु, कर्नाटक, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अन्य राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

केरल में मानसून की एंट्री के साथ ही भारी बारिश का सिलसिला शुरू हो जाता है। 2025 में भी राज्य ने शानदार बारिश का अनुभव किया। अभी भी बारिश का दौर जारी है और मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि 9, 10, 11 और 12 मार्च को केरल में भारी बारिश होने की संभावना है।

हिमाचल प्रदेश में भी मानसून के दौरान बारिश ने रिकार्ड तोड़े। राज्य में बारिश का सिलसिला अभी थमा नहीं है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है कि 9 से 12 मार्च के बीच हिमाचल प्रदेश में तेज बारिश होगी।

मौसम विभाग ने देश के कई हिस्सों में भारी बारिश का पूर्वानुमान दिया है। इन राज्यों में 9 से 12 मार्च तक तेज बारिश के आसार हैं: उत्तराखंड, बिहार, तमिलनाडु, कर्नाटक, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, माहे, लक्षद्वीप, अंडमान-निकोबार, पुडुचेरी, यनम और रायलसीमा पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, मणिपुर, मिज़ोरम, मेघालय, नागालैंड और त्रिपुरा। मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों में लोगों से सावधानी बरतने और आवश्यक कदम उठाने की अपील की है।

शिक्षित, सशक्त महिलाएं प्रगतिशील राष्ट्र की स्तंभ हैं: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षित एवं सशक्त महिलाएं एक प्रगतिशील राष्ट्र की स्तंभ हैं। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक 'पोस्ट' में कहा कि 'नारी शक्ति' विविध क्षेत्रों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है और साहस के साथ नेतृत्व कर रही है जिससे अधिक समावेशी और समृद्ध समाज की नींव मजबूत होती है। उन्होंने कहा, ''आइए, इस अवसर पर हम ऐसे समाज के निर्माण के लिए अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि करें, जहां हर महिला को आगे बढ़ने और गरिमा, सुरक्षा एवं स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने के समान अवसर मिलें।'' राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षित और सशक्त महिलाएं एक प्रगतिशील राष्ट्र की स्तंभ हैं। उन्होंने कहा, ''आइए, हम मिलकर ऐसा माहौल बनाएं, जहां महिलाओं की आकांक्षाएं और उपलब्धियां बेहतर भविष्य को आकार दें।''

भारत की नारी शक्ति की उपलब्धियां गौरव का स्रोत हैं : पीएम मोदी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सभी महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत की नारी शक्ति की उपलब्धियां गर्व का स्रोत हैं। मोदी ने कहा कि महिलाओं का सशक्तीकरण उनकी सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं पहलों का मूल आधार है और सरकार ऐसे अवसर पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है जिनसे प्रत्येक महिला अपनी पूरी क्षमता का एहसास कर सके और भारत के विकास की यात्रा में योगदान दे सके।

उन्होंने एक संदेश में कहा, ''अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मैं हमारी समूची नारी शक्ति को शुभकामनाएं देता हूं। हर क्षेत्र में महिलाएं संकल्प, रचनात्मकता और बेजोड़ उत्साह के साथ भारत की प्रगति को आकार दे रही हैं। उनकी उपलब्धियां हमारे राष्ट्र को प्रेरित करती हैं और विकसित भारत के निर्माण के हमारे सामूहिक संकल्प को मजबूत करती हैं।''

मोदी ने कहा कि जैसे-जैसे भारत आगे बढ़ेगा, महिलाओं की आकांक्षाएं और उनका योगदान एक मजबूत एवं समृद्ध राष्ट्र की दिशा में देश की सामूहिक यात्रा का मार्गदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने कहा, ''भारत की नारी शक्ति की उपलब्धियां गर्व का स्रोत हैं और राष्ट्र निर्माण में उनकी परिवर्तनकारी भूमिका की सशक्त तरीके से याद दिलाती हैं।''

लापता छात्रा का क्षत-विक्षत शव मिलने से सनसनी

परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए निकाला मोर्चा

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शहर में तीन दिन से लापता 15 वर्षीय नाबालिग छात्रा का क्षत-विक्षत शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई है। शव की हालत देखकर परिजनों ने छात्रा की निर्मम हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। न्याय की मांग को लेकर परिजनों और स्थानीय नागरिकों ने अजमेर नगर से नारपोली पुलिस स्टेशन तक मोर्चा निकालकर आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस के अनुसार नारपोली पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अजमेर नगर इलाके में रहने वाली कक्षा 10 में पढ़ने वाली 15 वर्षीय छात्रा 1 मार्च को बाथरूम जाने का बहाना बनाकर घर से बाहर निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। परिजनों और रिश्तेदारों ने दिनभर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद उसी रात करीब 11 बजे नारपोली पुलिस स्टेशन में उसके अपहरण की शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसी बीच 4 मार्च की शाम पुलिस को कैलाश नगर की पहाड़ी के पास एक नाबालिग लड़की का शव मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। बाद में मृतका के परिजनों ने शव की पहचान अपनी बेटी के रूप में की। परिजनों का आरोप है कि छात्रा के शव की हालत बेहद दयनीय थी। उनका कहना है कि शव का एक हाथ कटा हुआ था और चेहरे पर तेजाब डाला गया प्रतीत हो रहा था। शरीर पर कई चोटों के निशान थे, सिर के बाल भी नोचे गए थे। परिजनों का आरोप है कि उनकी बेटी ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसकी बेरहमी से हत्या की गई है। घटना से आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने अजमेर नगर से नारपोली पुलिस स्टेशन तक मोर्चा निकालकर आरोपियों की गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की। नारपोली पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय काडबाने ने बताया कि पुलिस मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच कर रही है। छात्रा की मौत हत्या है या आत्महत्या, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी हुई है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में हाल के दिनों में नाबालिगों के अपहरण की घटनाओं में वृद्धि हो रही है, जिससे अभिभावकों में चिंता और भय का माहौल बना हुआ है।

वीमी सिल्क मिल की पानी टंकी में मिला मजदूर का शव

तीन दिन से लापता था कर्मचारी, फैक्ट्री की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर के भंडारी कंपाउंड स्थित वीमी सिल्क मिल की पानी की टंकी में एक मजदूर का सड़ा हुआ शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 4 मार्च से लापता चल रहे विनोद अजय निषाद के रूप में हुई है। इस घटना के बाद फैक्ट्री की सुरक्षा व्यवस्था और प्रबंधन की लापरवाही को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार भंडारी कंपाउंड स्थित वीमी सिल्क मिल में काम करने वाला मजदूर विनोद अजय निषाद 4 मार्च से अचानक लापता था। परिवार और साथ काम करने वाले मजदूर उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल रहा था। इसी बीच तीन दिन बाद फैक्ट्री परिसर में स्थित पानी की टंकी से तेज दुर्गंध आने लगी, जिससे कर्मचारियों को शक हुआ। कर्मचारियों ने जब टंकी की जांच की तो उसके अंदर एक व्यक्ति का सड़ा हुआ शव दिखाई दिया। घटना की सूचना मिलते ही भोईवाडा पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद टंकी से शव को बाहर निकाला गया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए इंदिरा गांधी उप जिला अस्पताल भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में शव की पहचान विनोद अजय निषाद के रूप में की गई है, जो इसी मिल में काम करता था।बताया जा रहा है कि यह मिल महेंद्र कोठारी की डाइंग कंपनी है। घटना के बाद कंपनी प्रबंधन की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूरों का कहना है कि कंपनी परिसर में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। पानी की टंकी जैसे संवेदनशील स्थानों पर भी किसी तरह की सुरक्षा या निगरानी की व्यवस्था नहीं थी।मजदूरों का यह भी आरोप है कि घटना सामने आने के बाद भी कंपनी के जिम्मेदार अधिकारी या प्रबंधक मौके पर नहीं पहुंचे, जिससे कर्मचारियों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि फैक्ट्री में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होती और नियमित निगरानी की जाती तो इस तरह की घटना को समय रहते रोका जा सकता था।फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। वहीं इस घटना के बाद औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

आरपीएसएफ की 6वीं बटालियन, दया बस्ती द्वारा बटालियन सप्ताह का सफल आयोजन

रेलवे सुरक्षा विशेष बल (आरपीएसएफ) की 6वीं बटालियन, दया बस्ती द्वारा दिनांक 02.03.2026 से 07.03.2026 तक बटालियन सप्ताह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें व्यावसायिक, सामाजिक एवं कल्याणकारी गतिविधियों की व्यापक श्रृंखला आयोजित की गई। श्री अनुभव जैन, वरिष्ठ कमांडेंट के नेतृत्व में समारोहों की शुरुआत 02 मार्च को शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई, जिसके पश्चात औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर तथा आरपीएफ ध्वज फहराने का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

दूसरे दिन बटालियन द्वारा राष्ट्रीय एकता और सद्भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया गया। इसके पश्चात भारत सरकार के फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत विशेष फिटनेस सत्र एवं योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयोजित सामुदायिक जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत दया बस्ती क्षेत्र में रेलवे लाइन के पास रहने वाले बच्चों को पुस्तकें वितरित की गईं, जिससे जागरूकता बढ़ाने और सामुदायिक पुलिसिंग को सुदृढ़ करने का प्रयास किया गया।

तीसरा दिन समग्र स्वास्थ्य और सामाजिक उत्तरदायित्व को समर्पित रहा। इस दिन की शुरुआत हार्टफुलनेस द्वारा ध्यान सत्र से हुई, जिसके बाद रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके साथ ही ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा तनाव प्रबंधन सत्र तथा आरपीएफ/आरपीएसएफ कर्मियों के बच्चों के लिए कैरियर काउंसलिंग संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसका उद्देश्य परिवार की मानसिक सुदृढ़ता और भविष्य के विकास को प्रोत्साहित करना था।

चौथे दिन व्यावसायिक विकास और परिचालन तत्परता पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसके अंतर्गत साइबर सुरक्षा और नारकोटिक्स नियंत्रण विषयों पर संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। सुरक्षा सम्मेलन के दौरान वरिष्ठ कमांडेंट श्री अनुभव जैन द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इसके पश्चात कंपनी कमांडरों का सम्मेलन आयोजित किया गया तथा सेवानिवृत्त अधिकारियों को सम्मानित करने के लिए एक विशेष समारोह भी आयोजित किया गया।

समारोहों का समापन 07.03.2026 को प्राकृतिक चिकित्सा (नेचुरोपैथी) चिकित्सा शिविर तथा वित्तीय प्रबंधन सत्र के आयोजन के साथ हुआ। अंत में पारंपरिक बड़ा खाना और आकर्षक बैंड प्रदर्शन के साथ बटालियन सप्ताह समारोह का भव्य समापन किया गया।

रमजान में भिवंडी के बाजारों में बढ़ती रौनक...

आस्था के साथ करोड़ों का कारोबार, छोटे-बड़े व्यापारियों को मिलता है रोजगार का सहारा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। इस्लाम धर्म के पवित्र महीने रमजान के आगमन के साथ ही भिवंडी शहर के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। धार्मिक आस्था के इस महीने में मुस्लिम परिवार अपनी क्षमता के अनुसार नई वस्तुओं की खरीदारी करते हैं, जिसके कारण शहर में करोड़ों रुपये का कारोबार होता है। व्यापारियों के लिए यह महीना आर्थिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है और इसे स्थानीय बाजारों को नई ऊर्जा देने वाला समय भी कहा जाता है।

भिवंडी में रमजान के दौरान खजूर, सूखे मेवे, फल, खाद्य पदार्थ, कपड़े, जूते-चप्पल और सोने-चांदी के गहनों से लेकर घरेलू सामान तक सभी प्रकार की वस्तुओं की बिक्री में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी जाती है। कई व्यापारियों के लिए यह महीना साल का सबसे अधिक कमाई वाला समय होता है, ठीक उसी तरह जैसे दीपावली के दौरान अन्य बाजारों में कारोबार बढ़ता है। रमजान और ईद-उल-फितर के दौरान शहर में अस्थायी रोजगार के अवसर भी बढ़ जाते हैं। छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों, फेरीवालों और कारीगरों को इस अवधि में अच्छी आय मिलती है। कई लोग साल भर की कमाई का बड़ा हिस्सा इसी महीने में अर्जित कर लेते हैं। इस वजह से इसे शहर की आर्थिक गतिविधियों को गति देने वाला उत्सव भी माना जाता है। शहर के मुख्य बाजार, तीनबत्ती, खंडूपाडा, आमपाडा, शांतिनगर और विभिन्न छोटे-बड़े शॉपिंग सेंटरों में दोपहर से लेकर देर रात तक ग्राहकों की भीड़ देखने को मिल रही है। मुस्लिम बहुल भिवंडी शहर में करीब तीन से चार लाख से अधिक मुस्लिम आबादी है, जिसके कारण रमजान के दौरान बाजारों में खरीदारी का विशेष माहौल बन जाता है।

शाम के समय इफ्तारी के लिए बाजारों में फलों और विभिन्न व्यंजनों की भरमार रहती है। वहीं कई जगहों पर दुकानें देर रात तक और कुछ स्थानों पर सहरी तक खुली रहती हैं। जैसे-जैसे ईद नजदीक आती है, बाजारों में भीड़ और भी बढ़ जाती है। मुख्य सड़कों पर फेरीवालों की कतारें लग जाती हैं, जिससे उन्हें भी अच्छी कमाई का अवसर मिलता है। इस दौरान मुस्लिम परिवार घरों की सफाई और रंग-रोगन से लेकर झाड़ू, घरेलू सामान, नया फर्नीचर, कपड़े, नमाज की चटाई और गहनों की खरीदारी करते हैं। कई परिवार इन खर्चों के लिए पूरे साल बचत करते हैं और रमजान के महीने में इसका उपयोग करते हैं। इस प्रकार भिवंडी में रमजान केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाला महत्वपूर्ण अवसर भी बन गया है। शहर के छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े व्यापारियों तक सभी के लिए यह महीना आर्थिक उन्नति का सुनहरा समय साबित होता है।

महिला दिवस पर बालिकाओं को स्वच्छता का संदेश...

हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन ने 70 जरूरतमंद बच्चियों को सेनेटरी किट वितरित किए

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन की ओर से शहर के डोंगरी पाड़ा स्थित नवजीवन केंद्र में वंचित बालिकाओं के लिए मासिक धर्म स्वच्छता और व्यक्तिगत देखभाल विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में 9 से 11 वर्ष आयु वर्ग की लगभग 70 बालिकाओं ने भाग लिया। स्वयंसेवकों ने बच्चियों को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, शरीर की साफ-सफाई और स्वास्थ्य से जुड़ी जरूरी बातों की जानकारी दी। साथ ही उन्हें इस विषय से जुड़े संकोच को दूर करने के लिए भी प्रेरित किया गया। इस अवसर पर प्रत्येक बालिका को दो सेनेटरी नैपकिन, एक स्नान तौलिया और व्यक्तिगत स्वच्छता सामग्री से युक्त किट वितरित की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी बालिकाओं को अल्पाहार भी दिया गया। बताया गया कि इन बालिकाओं के परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं और आजीविका के लिए कचरा बीनने, दिहाड़ी मजदूरी या घरेलू कामकाज पर निर्भर हैं। डोंगरी पाड़ा स्थित नवजीवन सेंटर शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से इन बच्चों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन वर्ष 2018 से आदिवासी और वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य और शिक्षा के माध्यम से समाज के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रहा है। संस्था के स्वयंसेवकों ने बताया कि आगे भी ऐसे सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर वडोदरा मंडल द्वारा BIG FM के जरिए महिला सशक्तिकरण का संदेश

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल द्वारा वडोदरा रेलवे स्टेशन पर Big FM के सहयोग से 'स्टूडियो शिफ्ट' का आयोजन किया गया।

इस अनूठी पहल के अंतर्गत BIG FM का रेडियो स्टूडियो अस्थायी रूप से वडोदरा रेलवे स्टेशन परिसर में स्थापित किया गया, जहाँ से कार्यक्रम का लाइव ब्रॉडकास्ट किया गया।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वडोदरा स्टेशन पर प्रतिष्ठित FM चैनल BIG FM के स्टूडियो शिफ्ट के अंतर्गत रेडियो जॉकी मेघा से चर्चा के दौरान वडोदरा मंडल की वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक रिनी सहित रेलवे के विभिन्न विभागों में कार्यरत महिला कर्मचारियों ने अपने कार्यानुभव, चुनौतियों तथा उपलब्धियों को साझा किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार वे समर्पण, साहस और प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए रेलवे सेवाओं को सुचारु रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनके अनुभवों ने यह दर्शाया कि भारतीय रेल में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और वे विभिन्न क्षेत्रों में नई मिसाल कायम कर रही हैं।

स्टेशन पर उपस्थित यात्रियों और आगंतुकों ने भी इस कार्यक्रम को बड़े उत्साह से देखा और सुना, जिससे यह आयोजन जनसामान्य के लिए भी प्रेरणादायक बन गया।

यह कार्यक्रम पश्चिम रेलवे की महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता और समावेशी कार्य संस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मेरी परफेक्ट इनिंग्स : क्रिकेटर पृथ्वी शॉ ने गर्लफ्रेंड आकृति अग्रवाल से की सगाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय युवा क्रिकेटर पृथ्वी शॉ किसी ना किसी कारण सुर्खियों में बने रहते हैं। क्रिकेट से ज्यादा वो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर लाइमलाइट में बने रहते हैं। वहीं अब उन्होंने अपनी लॉग टाइम गर्लफ्रेंड आकृति अग्रवाल से सगाई कर ली है।

वहीं पृथ्वी शॉ ने खुद सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर फोटोज शेयर करते हुए लिखा कि मैदान पर छक्कों से लेकर अब जिंदगी भर की बेहतरीन पारी तक, वो मेरी परफेक्ट इनिंग्स है। इस पोस्ट के बाद फैंस और क्रिकेट जगत ने उन्हें बधाई दी। पृथ्वी शॉ की होने वाली दुल्हनियां आकृति अग्रवाल एक जानीमानी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सगाई करने से पहले दोनों काफी सयसे एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। आकृति के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 32 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इसके अलावा उनका यूट्यूब चैनल भी तेजी से बढ़ रहा है। जहां करीब 90 हजार सब्सक्राइबर्स हैं।

फिलहाल, दाएं हाथ के बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने भारतीय टीम के लिए अब तक 5 टेस्ट, 6 वनडे और एक टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेला है। इस दौरान उन्होंने टेस्ट मैचों में 42.37 की औसत से 339 रन बनाए हैं, जिसमें 1 शतक और दो अर्धशतक शामिल रहे। वहीं वनडे इंटरनेशनल में पृथ्वी के नाम पर 31.50 की औसत से 189 रन दर्ज हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल ने महिला कर्मचारियों का सम्मान कर मनाया महिला दिवस

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा लोकप्रिय रेडियो चैनल बिग एफएम के साथ मिलकर एक अनोखी पहल के तहत अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026 मनाया गया। इस अवसर पर इंदौर रेलवे स्टेशन पर लाइव स्टूडियो संवाद के माध्यम से महिला रेलवे कर्मचारियों के संघर्ष और उपलब्धियों से भरी प्रेरणादायक कहानियां सीधे श्रोताओं तक पहुंचाई गईं।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महिला दिवस के उपलक्ष्य में बिग एफएम ने रविवार, 8 मार्च 2026 को इंदौर रेलवे स्टेशन पर एक विशेष लाइव स्टूडियो कार्यक्रम आयोजित किया। लाइव प्रसारण के दौरान बिग एफएम के रेडियो प्रस्तोता ने पश्चिम रेलवे के विभिन्न विभागों की महिला अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत की। इंदौर रेलवे स्टेशन पर आयोजित इस लाइव सत्र का संचालन रेडियो प्रस्तोता पीहू ने किया, जिन्होंने पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के इंदौर रेलवे स्टेशन पर विभिन्न विभागों की 15 महिला कर्मचारियों से संवाद किया और उनके व्यावसायिक सफर, अनुभवों और उपलब्धियों पर चर्चा की। इन रोचक बातचीतों में महिला रेलवे कर्मचारियों ने ट्रेन संचालन में अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों, रेलवे क्षेत्र में करियर चुनने के पीछे की प्रेरणा तथा अपने व्यावसायिक जीवन में आई चुनौतियों के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार दृढ़ निश्चय और लगन के साथ उन्होंने कठिनाइयों को पार किया और रेलवे व्यवस्था के सुरक्षित तथा कुशल संचालन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। बिग एफएम द्वारा आयोजित इस चर्चा में रेलवे के तकनीकी और संचालन संबंधी कार्यों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी पर भी जोर दिया गया, जो संगठन में हो रहे सकारात्मक बदलाव को दर्शाता है। कार्यक्रम में शामिल कर्मचारियों ने अपने अनुभव साझा किए और ऐसे कार्यबल का हिस्सा होने पर गर्व व्यक्त किया, जहां महिलाएं तेजी से बड़ी जिम्मेदारियां संभाल रही हैं।

कार्यक्रम के दौरान महिला कर्मचारियों ने युवा लड़कियों के लिए प्रेरणादायक संदेश भी दिए और उन्हें आत्मविश्वास तथा दृढ़ निश्चय के साथ अभियांत्रिकी, तकनीकी क्षेत्र और रेलवे सेक्टर में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। पश्चिम रेलवे लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और महिला कर्मचारियों को विभिन्न विभागों में अवसर प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसी पहल न केवल संगठन में महिलाओं के योगदान को सम्मान देती हैं, बल्कि नई पीढ़ी को बाधाओं को पार कर अपने सपनों को पूरा करने के लिए भी प्रेरित करती हैं।

ईरान-इजराइल संघर्ष के बीच भारत का प्लान बी अब अमेरिका और अफ्रीका से आएगा कच्चा तेल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के लंबा खिंचने की आशंका के बीच भारतीय खुदरा ईंधन कंपनियों ने अमेरिका, रूस और पश्चिम अफ्रीका से अतिरिक्त कच्चे तेल के लिए बातचीत शुरू कर दी है। उद्योग अधिकारियों और विश्लेषकों ने यह जानकारी दी। कच्चे तेल को पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों में परिशोधित करने वाली रिफाइनरियों ने फिलहाल अपनी प्रस्तावित मरम्मत बंदी को टाल दिया है और सामान्य परिचालन दर बनाए रखी है ताकि देश की तात्कालिक जरूरतों के लिए पर्याप्त बफर स्टॉक बना रहे। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है। फरवरी में इस आपूर्ति का लगभग आधा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आया था, जो ईरान और ओमान के बीच एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है।

ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के कारण इस रणनीतिक मार्ग से टैंकरों की आवाजाही लगभग ठप हो गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय के एक उच्च पदस्थ सूत्र ने बताया, हम उन क्षेत्रों से अधिक आपूर्ति ले रहे हैं जो संघर्ष क्षेत्र से बाहर हैं। वर्ष 2025 में गैर-होर्मुज स्रोतों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 70 प्रतिशत हो गई है। भारतीय रिफाइनरियां अब पश्चिम अफ्रीका, लातिन अमेरिका और अमेरिका से तेल ले रही हैं। साथ ही, अमेरिकी ट्रेजरी (वित्त) विभाग द्वारा रूसी तेल की बिक्री और वितरण के लिए दी गई 30 दिनों की छूट ने एक नया रास्ता खोल दिया है। इस छूट के तहत पांच मार्च तक जहाजों पर लदे रूसी तेल को पांच अप्रैल तक बिना प्रतिबंधों के भारत पहुंचने की अनुमति दी गयी है। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचपीसीएल और एचपीसीएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड जैसी कंपनियों ने रूसी तेल की खरीद फिर से शुरू कर दी है। मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि भारत की स्थिति मजबूत है और वर्तमान भंडार देश की 50 दिनों की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

उन्होंने कहा कि भारत के पास वर्तमान में लगभग 14.4 करोड़ बैरल कच्चा तेल भंडारण में है और महत्वपूर्ण बात यह है कि तेल की इस आपूर्ति की निरंतर भरपाई की जा रही है। मंत्रालय के आंकड़ों अनुसार, देश के पास इसके अलावा

सामरिक पेट्रोलियम भंडार (एसपीआर) और सरकारी तेल कंपनियों के पास मौजूद स्टॉक को मिलाकर कुल क्षमता लगभग 74 दिनों के शुद्ध आयात के बराबर है। हालांकि, विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि वैकल्पिक स्रोतों से आपूर्ति सुनिश्चित होने के बावजूद कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, अधिक माल भाड़े और बीमा प्रीमियम के कारण आयात बिल बढ़ सकता है।

28 फरवरी के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 70 डॉलर से बढ़कर 92 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की कीमतें भी दोगुनी से अधिक बढ़कर 24-25 डॉलर प्रति दस लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट तक पहुंच गई हैं। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक है और अपनी कुल जरूरतों का लगभग आधा हिस्सा पश्चिम एशिया से प्राप्त करता है।

महिला दिवस पर गौतम अडानी का भावुक पोस्ट बोले- 'मेरी मां, पत्नी और बहुएं ही मेरी असली ताकत'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने रविवार को उन महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उनके जीवन और सफर को संवारा है। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता की नींव उन मूल्यों और समर्थन पर टिकी है, जो उन्हें अपने परिवार से मिला। लिंक्डइन पर लिखे एक लेख में अदाणी ने अपनी मां शांताबेन अदाणी के प्रभाव को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे बचपन में मां द्वारा सुनाई गई रामायण जैसे महाकाव्यों की कहानियों ने उनमें साहस, त्याग और कर्तव्य के मूल्यों को स्थापित किया। उन्होंने कहा कि उन सीखों की गहराई उन्हें तब समझ आई, जब 16 साल की उम्र में उन्होंने अपना करियर बनाने के लिए मुंबई जाने के लिए घर छोड़ा था। अदाणी ने उस मानसिक शक्ति को याद किया जो उनकी मां ने उन्हें एक अनिश्चित भविष्य की ओर कदम बढ़ाने की अनुमति देते समय दिखाई होगी। अदाणी ने अपनी पत्नी प्रीति अदाणी की भूमिका की भी सराहना की, जिन्होंने दंत चिकित्सा का करियर छोड़कर अदाणी फाउंडेशन का नेतृत्व संभाला। उन्होंने बताया कि अदानी फाउंडेशन आज देश के 22 राज्यों में शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका जैसे क्षेत्रों में सक्रिय है और अब तक एक करोड़ से अधिक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला चुका है।

अदाणी ने अपनी बहुओं, परिधि अदाणी (करण अदाणी की पत्नी) और दीवा अदाणी (जीत अदाणी की पत्नी) की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे परिवार में नया दृष्टिकोण और नयी ऊर्जा लेकर आई हैं। साथ ही उन्होंने अपनी पोतियों से मिलने वाली खुशी का भी उल्लेख किया। अपनी व्यावसायिक यात्रा को याद करते हुए उन्होंने कहा कि भले ही उद्यमी बड़ी कंपनियों और संपत्तियों के निर्माण में दशकों लगा देते हैं, लेकिन इसका अंतिम उद्देश्य अगली पीढ़ी के लिए एक बेहतर भविष्य बनाना होता है। अदाणी ने कहा, मैं हमेशा दो दुनिया... काम और परिवार के बीच रहा हूं। मैंने अपनी पहली दुनिया में जो कुछ भी बनाया है, वह मुझे दूसरी दुनिया से मिलने वाली ताकत के कारण ही संभव हो पाया है।

उन्होंने कहा कि जीवन की सबसे मजबूत नींव कंक्रीट या स्टील से नहीं, बल्कि उन लोगों से बनती है जो हमें एक व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। अदाणी ने अपनी मां को संस्कार देने के लिए, पत्नी प्रीति को उनका पथ-प्रदर्शक (विवेक) बनने के लिए, अपनी दोनों बहुओं परिधि और दीवा को परिवार में शक्ति, प्रतिभा और नया दृष्टिकोण लाने के लिए धन्यवाद दिया।

अमेलिया केर ने रचा इतिहास, 7 विकेट लेकर 44 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

डुनेडिन **(एजेंसी)**। न्यूजीलैंड की महिला टीम की कप्तान अमेलिया केर ने रविवार को डुनेडिन में तीन मैचों की सीरीज के दूसरे वनडे मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ शानदार सात विकेट लेकर 44 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। अमेलिया केर की कोशिश से टीम ने 8 विकेट से आसान जीत दर्ज की और 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की।

केर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूनिवर्सिटी ओवल में 34 रन देकर 7 विकेट लिए और जिम्बाब्वे को सिर्फ 102 रन पर ऑल आउट कर दिया जिससे उन्होंने 1982 के आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफि जैकी लॉर्ड के 6/10 के 44 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया और न्यूजीलैंड की किसी महिला द्वारा सबसे अच्छे वनडे बॉलिंग का नया रिकॉर्ड बनाया।

केर के सात विकेट हॉल के साथ यह सिर्फ सातवीं बार है जब किसी गेंदबाज ने महिला वनडे में सात विकेट लिए हैं, जिससे वह पाकिस्तान की साजिदा शाह, इंग्लैंड की जो चेम्बरलेन, वेस्टइंडीज की अनीसा मोहम्मद और ऑस्ट्रेलिया की अलाना किंग, एलिस पेरी, और मौजूदा कोच शेली निट्स्के के साथ एक एलीट ग्रुप में आ गईं।

न्यूजीलैंड बनाम जिम्बाब्वे मैच की बात करें तो मौली पेनफोल्ड (3/17) ने जल्दी विकेट लिए जिससे जिम्बाब्वे का स्कोर 48/3 कर दिया और केर के अटैक में आने से मेहमान टीम और परेशान हो गई क्योंकि न्यूजीलैंड की कप्तान ने बड़े विकेट हासिल किए। केर ने चिएद्ज़ा धुरुरू को बोल्ड करके मैच को खत्म कर दिया और फिर मोडेस्टर मुपाचिकवा, क्रिस्टाबेल चैटोंजवा, एडेल जिमुनु, न्याशा ग्वानज़ुरा, ऑड्रे माजविशाया और तेंदई मकुशा को जल्दी-जल्दी आउट करके व्हाइट फर्न्स को मजबूती से कंट्रोल में रखा। लक्ष्य प्राप्ति के दौरान बैटिंग करने लौटे केर ने सबसे ज्यादा 45 रन बनाए जिससे न्यूजीलैंड ने 8 विकेट से आसान जीत हासिल की और तीन मैचों की ध्ङ्ख सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली।

प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में भारत को अमेरिका से सबसे बेहतर व्यापारिक समझौता मिला : गोयल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में अमेरिका के साथ सबसे बेहतर व्यापारिक समझौता हासिल किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देश एक 'बेहद शक्तिशाली' संबंध साझा करते हैं। गोयल ने कहा कि अमेरिका 30 लाख करोड़ डॉलर की दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और कोई भी इसे नजरअंदाज नहीं कर सकता। रायसीना संवाद 2026 में अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंधों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'यह एक शानदार सफर रहा है। हमारे संबंध बेहतरीन हैं। आपने पिछले एक साल में देखा होगा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमेशा भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में अच्छी बातें कही हैं। वहां हमारे समकक्षों के साथ हमारे बहुत अच्छे संबंध हैं।'

उन्होंने कहा, 'एक परिवार के भीतर भी कभी-कभार कुछ गलतफहमियां हो सकती हैं। यह स्वाभाविक है। मुझे लगता है कि अमेरिका और भारत एक बहुत ही शक्तिशाली रिश्ता साझा करते हैं। प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में हमें सबसे अच्छा समझौता मिला है।' मंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका रणनीतिक साझेदार हैं और दोनों दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। उन्होंने कहा, 'दोनों देशों पर बड़ी जिम्मेदारी है। अमेरिका 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था है, कोई भी उन्हें अनदेखा नहीं कर सकता।

एलिसा हीली के विदाई टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की 10 विकेट से बड़ी जीत

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पिंक बॉल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को करारी शिकस्त देते हुए 10 विकेट से जीत दर्ज की। कप्तान एलिसा हीली ने अपने विदाई मुकाबले को यादगार बनाते हुए टीम को शानदार जीत दिलाई, जबकि एनेबेल सदरलैंड ने गेंद और बल्ले दोनों से कमाल करते हुए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब जीता।

पर्थ के वाका ग्राउंड में खेले गए इस महिला पिंक-बॉल टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत पर पूरी तरह से दबदबा बनाए रखा। भारत ने दूसरी पारी में संघर्ष करते हुए फॉलो-ऑन से बचने की कोशिश की, लेकिन लक्ष्य केवल 25 रन का रह गया जिसे ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने मल्टी-फॉर्मेट सीरीज भी 12-4 से अपने नाम कर ली।

तीसरे दिन भारत ने 105/6 के स्कोर से अपनी दूसरी पारी आगे बढ़ाई। प्रतिका रावल और स्नेह राणा ने शुरुआत में संभलकर बल्लेबाजी की। प्रतिका ने दिन की पहली बाउंड्री लगाई, 105 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, दोनों ने सातवें विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी की; हालांकि एश्ले गार्डनर ने स्नेह राणा को 30 रन पर आउट कर यह साझेदारी तोड़ दी।

इसके बाद भारतीय बल्लेबाजी ज्यादा देर टिक नहीं पाई। कश्वी गौतम अलाना किंग की गेंद पर स्लिप में कैच देकर शून्य पर आउट हुईं; सायली सटघरे भी ज्यादा देर नहीं टिक सकीं और 3 रन बनाकर आउट हो गईं, आखिरकार प्रतिका रावल आखिरी विकेट के रूप में आउट हुईं। उन्होंने 137 गेंदों में 63 रन की जुझारू पारी खेली जिसमें 8 चौके शामिल थे। भारत की पूरी टीम 149 रन पर सिमट गई।

25 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया के ओपनर्स ने तेजी से रन बनाए। पांचवें ओवर में जॉर्जिया वोल ने लगातार तीन चौके लगाकर मैच खत्म कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से आसान जीत दर्ज की और हीली का विदाई मैच जीत के साथ समाप्त हुआ।

जाह्नवी कपूर ने नंगे पाँव चढ़ीं तिरुमाला की 3, 500 सीढ़ियाँ, भगवान वेंकटेश्वर का लिया आशीर्वाद

बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने शुक्रवार को अपना 29वां जन्मदिन एक बेहद खास और आध्यात्मिक अंदाज में मनाया। अपनी परंपरा को बरकरार रखते हुए, अभिनेत्री आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थित प्रसिद्ध तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर पहुँचीं और पैदल मार्ग से पहाड़ी की चढ़ाई पूरी कर भगवान के दर्शन किए। एक्टर शुक्रवार को 29 साल की हो गईं, और उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर के आशीर्वाद के साथ अपना नया साल शुरू करने का फैसला किया।

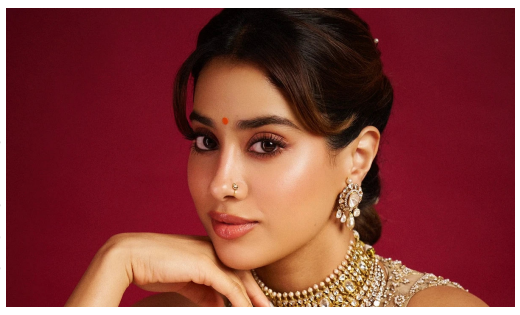

कपूर, जिन्हें आखिरी बार सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी (2025) में देखा गया था, ने अपनी यात्रा अलीपिरी फुटपाथ से शुरू की, जो तीर्थयात्रियों द्वारा तिरुमाला पहुँचने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला मुख्य पैदल रास्ता है। कुछ दोस्तों के साथ, उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन के लिए पहाड़ी मंदिर तक पहुँचने के लिए लगभग 3, 550 सीढ़ियाँ चढ़कर 11 किलोमीटर का रास्ता तय किया। खबर है कि इसके बाद एक्टर ने सुबह वीआईपी ब्रेक दर्शन किया।

ट्रैक के दौरान, वह मोकलामिट्टा में भी रुकीं, जो पहाड़ी पर चढ़ने वाले भक्तों द्वारा पवित्र मानी जाने वाली जगह है। उन्होंने मंदिर आने वाले कई तीर्थयात्रियों द्वारा की जाने वाली पारंपरिक रस्म को मानते हुए नंगे पैर चढ़ाई पूरी की। दर्शन के लिए, एक्ट्रेस ने अपना लुक सिंपल रखा और ट्रेडिशनल कपड़े पहने हुए नज़र आईं। जब वह मंदिर परिसर से गुज़रीं, तो जिन फ़ैन्स ने उन्हें देखा, वे उनके आस-पास जमा हो गए और उनका हौसला बढ़ाया।

दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी और फ़िल्म प्रोड्यूसर बोनी कपूर की बेटी जान्हवी कपूर ने पहले भी अपनी आस्था और तिरुमाला मंदिर की अपनी यात्राओं के बारे में बात की है।

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा बिखेरेंगी अपना जलवा रॉबर्ट डाउनी जूनियर और ऐनी हैथवे के साथ करेंगी प्रेजेंट

भारतीय सिनेमा से लेकर हॉलीवुड तक अपनी पहचान बनाने वाली प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर इतिहास रचने को तैयार हैं। 98वें एकेडमी अवॉर्ड्स के लिए प्रेजेंटर्स की बहुप्रतीक्षित सूची जारी कर दी गई है, जिसमें प्रियंका का नाम दुनिया के दिग्गज सितारों के साथ शामिल है। शुक्रवार को एकेडमी ने आधिकारिक घोषणा की कि प्रियंका चोपड़ा इस साल ऑस्कर स्टेज पर बतौर प्रेजेंटर नजर आएंगी। उनके साथ 'आयरन मैन' फेम रॉबर्ट डाउनी जूनियर और ऑस्कर विजेता ऐनी हैथवे जैसे बड़े नाम भी इस लिस्ट में शामिल हैं।

इस साल, ऑस्कर नॉमिनेशन की घोषणा 22 जनवरी, 2026 को एक्टर्स डेनियल ब्रूक्स और लुईस पुलमैन के होस्ट किए गए एक इवेंट में की गई थी। साल की सबसे ज़्यादा नॉमिनेटेड फिल्म, सिनर्स, ऑस्कर 2026 में सबसे बड़ी दावेदार बनकर उभरी है। सिनर्स ने 24 कैटेगरी में 16 नॉमिनेशन के साथ एक नया रिकॉर्ड भी बनाया।

शुक्रवार सुबह, प्रियंका चोपड़ा ने भी सोशल मीडिया पर यह घोषणा शेयर की, और अपने फैंस और फॉलोअर्स को इस खबर के बारे में अपडेट किया। कैप्शन में उन्होंने लिखा, '2026 एकेडमी अवॉर्ड्स।'

सोशल मीडिया यूज़र्स ने बधाई मैसेज के साथ पोस्ट पर तुरंत रिएक्ट किया। कॉमेडियन ज़ाकिर खान ने लिखा, 'बधाई हो!! आप हमारे हीरो हैं।' एक फैन ने कमेंट किया, 'यह एब्सोल्यूट आइकॉन्स की लिस्ट है और मैं जी रहा हूँ! यह बहुत इंस्पायरिंग है!।' एक और यूज़र ने कहा, 'मैं तैयार हूँ!!! ऑस्कर एन्जॉय करने का एक एक्स्ट्रा कारण।' जिन लोगों को नहीं पता, द ब्लफ़ एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने पहले एकेडमी अवॉर्ड्स के 88वें एडिशन में प्रेज़ेंटेशन दिया था, जो 2016 में हुआ था।

महाराष्ट्र शासन

सार्वजनिक बांधकाम विभाग

निविदा सूचना क्र. ७४ सन २०२५-२६

खालील कामाच्या निविदा कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, २ रा माळा, बांधकाम भवन, २५ मर्झबान रोड, फोर्ट मुंबई ४०० ००१ दूरध्वनी क्रमांक २२०१६९७५ हे खालील कामासाठी सा.थां. विभागात योग्य वर्गात नोंदणीकृत ठेकेदारांकडून मागवित आहेत. च-१ को-या निविदेचा नमुना, कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, मुंबई यांचे कार्यालयातून दिनांक ९.३.२०२६ ते १६.३.२०२६ पर्यंत देण्यांत येईल. कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, मुंबई हे भरुन पाठविलेल्या सिलबंद निविदा दिनांक १७.३.२०२६ पूर्वी / त्यादिवशी दुपारी २.०० वाजेपर्यंत स्विकारतील आणि शक्यतो त्याच दिवशी उघडतील.

अ. क्र.	कामांचे नांव	अंदाजित किंमत (रूपये)	इसारा रक्कम (रूपये)	काम पूर्ण करण्याचाी कालमर्यादा	निविदेचा नमूना प्रकार	को-या निविदा नमुन्याचा किंमत (रूपये)
१	मुंबईतील एल्फिस्टोन कॉलेज इमारतीतील गेटजवळील पार्किंग क्षेत्राचे नूतनीकरण.	७.०७	७,१००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
२	मुंबई येथील वॉटर पोलिस लाईनच्या जीर्ण झालेल्या फरशी, बाथरूम, स्वयंपाकघर ओटा, दरवाजे आणि खिडक्यांची दुरुस्ती. ए बिल्डिंगमधील खोली क्रमांक ४५, ४१ आणि ४७ चे प्लास्टरिंग आणि पुनर्रजन करणे.	७.८७	७,९००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
३	मुंबईतील एल्फिस्टोन कॉलेज इमारतीतील गेट क्रमांक २ जवळील खोलीचे नूतनीकरण करणे.	७.७६	७,८००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
४	मुंबईतील वॉटर पोलिस लाईनच्या इमारतीतील जीर्ण झालेल्या फरशी, बाथरुमची खोली, स्वयंपाकघरातील ओटा, दरवाजे आणि खिडक्या यांची दुरुस्ती. खोली क्रमांक ४२ आणि ५० चे प्लास्टरिंग आणि पुनर्रजन करणे.	५.३१	५,४००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
५	मुंबईतील एल्फिस्टोन कॉलेज इमारतीच्या दुसऱ्या मजल्यावरील समाजशास्त्र विभागाचे नूतनीकरण आणि चौथ्या मजल्यावरील टेरेसवर प्रीकोटेड शीटचे नूतनीकरण करणे.	५.५५	५,६००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
६	मुंबई येथील वॉटर पोलिस लाईनच्या ए बिल्डिंगमधील खोली क्रमांक ३८ आणि ५१ मधील जीर्ण फरशी, बाथरूम, स्वयंपाकघरातील ओटा, दरवाजे आणि खिडक्या, प्लास्टरिंग आणि पुनर्रचनेची दुरुस्ती करणे.	५.३५	५,४००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
७	एल्फिस्टोन कॉलेज इमारती, मुंबई येथील पहिल्या मजल्यावरील पर्यवेक्षकाच्या खोलीचे नूतनीकरण करणे.	४.२३	४,३००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
८	मुंबईतील वॉटर पोलिस लाईनच्या बी बिल्डिंगमधील खोली क्रमांक १, १८ आणि ३० मधील तुटलेल्या फरशीची दुरुस्ती. प्लास्टर, बाथटब. स्वयंपाकघरातील प्लॅटफॉर्म, दरवाजे आणि पुनर्रचनेचे काम करणे.	७.७६	७,८००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
९	मुंबईतील वॉटर पोलिस लाईनच्या बी बिल्डिंगमधील खोली क्रमांक ४, १९ आणि ३१ मध्ये जीर्ण झालेले फरशी, बाथरूम, स्वयंपाकघरातील ओटा, दरवाजे आणि खिडक्या, प्लास्टरिंग आणि पुनर्रगीकरण यांची दुरुस्ती करणे.	७.५७	७,६००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
१०	मुंबईतील वॉटर पोलिस लाईनच्या बी बिल्डिंगमधील खोली क्रमांक ९, २१ आणि ३३ मध्ये प्लास्टर, फ्लोअरिंग आणि दादो, मोरी, स्वयंपाकघर खोली आणि पुनर्रचनेसह पॉलिमरची दुरुस्ती आणि नूतनीकरण करणे.	७.२४	७,३००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
११	मुंबईतील वॉटर पोलिस लाईनच्या बी बिल्डिंगमधील खोली क्रमांक १०, २३ आणि ३४ मध्ये जीर्ण झालेले फरशी, बाथरूम, स्वयंपाकघरातील ओटा, दरवाजे आणि खिडक्या, प्लास्टरिंग आणि पुनर्रगीकरण यांची दुरुस्ती करणे.	७.२९	७,३००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
१२	मुंबईतील वॉटर पोलिस लाईनच्या बी बिल्डिंगमधील खोली क्रमांक ११, २५ आणि ३६ मध्ये जीर्ण झालेले फरशी, बाथरूम, स्वयंपाकघरातील ओटा, दरवाजे आणि खिडक्या, प्लास्टरिंग आणि पुनर्रचनेची दुरुस्ती करणे.	७.३५	७,४००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
१३	मुंबईतील वॉटर पोलिस लाईनच्या बी बिल्डिंगमधील खोली क्रमांक १२, ३५ आणि २६ मधील जीर्ण फरशी, बाथरूम, स्वयंपाकघरातील ओटा, दरवाजे आणि खिडक्या, प्लास्टरिंग आणि पुनर्रगीकरण यांची दुरुस्ती करणे.	७.४२	७,५००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
१४	मुंबईतील वॉटर पोलिस लाईनच्या बी बिल्डिंगमधील खोली क्रमांक १४, २८ आणि १६ मध्ये जीर्ण झालेले फरशी, बाथरूम, स्वयंपाकघरातील ओटा, दरवाजे आणि खिडक्या, प्लास्टरिंग आणि पुनर्रचनेची दुरुस्ती करणे.	७.८६	७,९००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
१५	मुंबईतील वॉटर पोलिस लाईनच्या बी बिल्डिंगमधील खोली क्रमांक २७, १५ आणि २९ मध्ये जीर्ण झालेले फरशी, बाथरूम, स्वयंपाकघरातील ओटा, दरवाजे आणि खिडक्या, प्लास्टरिंग आणि पुनर्रगीकरण यांची दुरुस्ती करणे.	८.०८	७,१००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
१६	मुंबईतील वॉटर पोलिस लाईनच्या बी बिल्डिंगमधील खोली क्रमांक ४८, ५१ आणि ४६ मधील जीर्ण फरशी, बाथरूम, स्वयंपाकघरातील ओटा, दरवाजे आणि खिडक्या, प्लास्टरिंग आणि पुनर्रचनेची दुरुस्ती करणे.	८.१०	८,२००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
१७	मुंबईतील वॉटर पोलिस लाईनच्या बी बिल्डिंगमधील खोली क्रमांक ४७, ३८ आणि ५० मधील जीर्ण फरशी, बाथरूम, स्वयंपाकघरातील ओटा, दरवाजे आणि खिडक्या, प्लास्टरिंग आणि पुनर्रचनेची दुरुस्ती करणे.	८.३१	८,४००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
१८	मुंबईतील वॉटर पोलिस लाईनच्या बी बिल्डिंगमधील खोली क्रमांक ४९ आणि ४० मध्ये जीर्ण झालेले फरशी, बाथरूम, स्वयंपाकघरातील ओटा, दरवाजे आणि खिडक्या, प्लास्टरिंग आणि पुनर्रगीकरण यांची दुरुस्ती करणे.	५.६८	५,७००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
१९	ग्राहक वाद निवारण आयोग, महाराष्ट्र कार्यालय, फोर्ट, मुंबई येथे जीर्ण बाह्य प्लास्टर, ५ कोट फायबर रिइन्फोर्ड पेंटिंग, एफआरपी चाज्जा, एम.एस. ग्रिल आणि पावसाच्या पाण्याच्या पाईपची दुरुस्ती करणे.	८.४१	८,५००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
२०	महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग कार्यालय, फोर्ट, मुंबई युवक बिरादरी कार्यालय, पार्किंगची जागा आणि प्रवेश?द्वार पोर्चभोवती प्लिंथ संरक्षण प्रदान करणे.	८.४१	८,५००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
२१	मॅट कोर्ट मुंबई येथील मुख्य प्रवेशद्वार न्यायालय कक्ष क्रमांक ३ च्या सिव्हिल आणि फर्निचरच्या कामाची दुरुस्ती आणि नूतनीकरण करणे.	६.६५	६,७००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
२२	मुंबई येथील मॅट कोर्ट रूम क्रमांक २ आणि पॅसेजमधील सिव्हिल आणि फर्निचरचे काम आणि दुरुस्ती करणे.	७.९९	८,०००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
२३	मुंबई येथील मॅट कोर्ट रूम क्रमांक १ आणि पॅसेज, संगणक कक्ष येथील सिव्हिल आणि फर्निचरच्या कामाची दुरुस्ती आणि नूतनीकरण करणे.	८.०८	८,१००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
२४	मॅट कोर्ट मुंबई येथील सज्जन आणि महिला शौचालय युनिटची दुरुस्ती आणि नूतनीकरण करणे.	७.१४	७,२००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
२५	मॅट कोर्ट मुंबई येथील स्टोरेज रूम आणि केबिन १, केबिन २ ची दुरुस्ती आणि नूतनीकरण करणे.	७.०६	७,१००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
२६	मुंबई येथील मॅट कोर्ट येथील सरकारी वकिलांच्या कार्यालयातील बार रूम आणि विभागाची दुरुस्ती आणि नूतनीकरण करणे.	८.१४	८,२००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
२७	मॅट कोर्ट मुंबई येथील प्राइवेट ॲडव्होकेटच्या बार रूम आणि विभागाची दुरुस्ती आणि नूतनीकरण करणे.	८.०४	८,१००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-
२८	वॉटर पोलीस लाईन मुंबई येथील ए इमारत येथे रूम नं. १, २, ३ येथे फ्लोरींग, किचन ओटा, बाथ रूम, दरवाजा, खिडक्या येथे प्लास्टर, रंगकाम व दुरूस्ती करणे.	८.१७	८,२००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९० /-

कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, मुंबई यांचे कार्यालयामध्ये सूचना फलकावार सविस्तर निविदा सूचना पहावयास मिळेल. एक किंवा सर्व निविदा कोणतेही कारण न देता रद्द ठरविण्याचा अधिकार राखून ठेवला आहे.

जा.क्र. इशवि/निलि/१९३६
कार्यकारी अभियंता यांचे कार्यालय
इलाखा शहर विभाग, २ रा माळा,
बांधकाम भवन, २५ मर्झबान रोड, फोर्ट,
मुंबई ४०० ००१.
दिनांक - ०६.०३.२०२६

DGIPR/2025-26/6372

(व्ही. ए. पाटसकर)
कार्यकारी अभियंता,
इलाखा शहर विभाग मुंबई

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2026

संस्कार वान संतति महिलाओं की पहली प्राथमिकता हो - डॉ निर्मला तोमर

प्रयागराज।आरोग्य भारती एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संयुक्त तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2026 के अवसर पर सुदर्शन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, झूँसी, प्रयागराज पर 8 मार्च, 2026: पूर्वाह्न 10-12 बजे तक महिलाओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया । जिसका उद्घाटन वरिष्ठ पर्यावरणविद् डॉ निर्मला तोमर ने किया । इस अवसर पर डॉ जी एस तोमर ने 75 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर चिकित्सा परामर्श प्रदान किया । शिविर में महिलाओं का ब्लड प्रेशर, बजन एवं ब्लड सुगर आदि की जांच निःशुल्क की गई एवं प्रवेक कल्प, झंडु, एमिल, एग्रो एवं अक्षय फार्मा के सौजन्य से मुफ्त औषधियाँ भी प्रदान की गईं । साथ ही साथ अपने क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वाली 25 महिलाओं को महिला शक्ति सम्मान पत्र भी प्रदान

किया गया । अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि डॉ निर्मला तोमर ने सभी महिलाओं को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर बधाई दी । उन्होंने कहा कि स्त्रियाँ देश की आधी आबादी ही नहीं राष्ट्र की आधारशिला हैं । एक स्त्री के स्वास्थ्य की चिंता पूरे परिवार के स्वास्थ्य की चिंता है । महिला एक साथ कई व्यक्तित्वों को लेकर जीती है । एक प्यारी पुत्री, भाइयों का पूरा ख्याल रखने वाली बहन, सच्ची जीवनसाथी एवं एक आदर्श माँ का व्यक्तित्व समेटे स्त्री पूज्या एवं आराध्या है । पति के लिए वह संकट में उत्तम सलाहकार, भोजन कराते समय मातृ स्वरूपा एवं पत्नी के रूप में कुल को बढ़ाने वाली है । डॉ निर्मला ने कहा हर महिला का सबसे बड़ा कर्तव्य अपनी संतान को सनातन धर्म सम्मत उत्तम संस्कार प्रदान करना है । इसके अलावा हमें सामाजिक समरसता का भाव जागृत कर एक सूत्र में बँधे रहना है । क्यों कि एकता ही सबसे बड़ी शक्ति है । यह जानकारी सुदर्शन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के निदेशक राजेन्द्र कुमार सिंह ने दी है । शिविर में सुदर्शन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की संयुक्त निदेशक मीनू सिंह, रोटेरियन गीतिका अष्ठाना, एकता सिंह, श्रीमती चिन्ता सिंह सहित शताधिक महिलाओं ने प्रतिभाग किया ।

आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई ने फरवरी 2026 के 'महीने के उत्कृष्ट कर्मचारी' को सम्मानित किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी), जो कि भारत सरकार के रेल मंत्रालय के अधीन एक नवरत्न सार्वजनिक उपक्रम है, अपने कर्मचारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को पहचानने और उन्हें प्रोत्साहित करने की अपनी परंपरा को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

इसी क्रम में आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई द्वारा फरवरी 2026 के 'महीने के उत्कृष्ट कर्मचारी' को सम्मानित करने के लिए पश्चिम क्षेत्र कार्यालय, मुंबई में एक विशेष समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर ययाति कोली, सपोर्ट स्टाफ (पर्यटन), जोनल कार्यालय, मुंबई तथा सोनू मलिक, कैटरिंग असिस्टेंट, डाइनिंग कार कार्यालय, मुंबई सेंट्रल को फरवरी 2026 के दौरान उनके उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन और समर्पित सेवा के लिए सम्मानित किया गया।

दोनों कर्मचारियों को उनकी समर्पित सेवा और संगठन के प्रति उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र तथा नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

यह सम्मान आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई के ग्रुप जनरल मैनेजर गौरव झा द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी हर्षवर्धन सिंह रावत, एजीएम (पर्यटन) तथा नागेश चौधरी, मैनेजर (एचआर) भी उपस्थित थे। आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. ए.के. सिंह ने बताया कि यह कर्मचारी सम्मान पहल पिछले वर्ष ग्रुप जनरल मैनेजर, पश्चिम क्षेत्र, मुंबई द्वारा शुरू की गई थी। इस कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक कुल 12 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जा चुका है। आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र अपने कर्मचारियों के महत्वपूर्ण योगदान को पहचानते हुए उत्कृष्टता, नवाचार और ग्राहक-केंद्रित सेवा की संस्कृति को निरंतर प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

न्यायिक हिरासत में युवक की मौत: परिवार ने शव लेने से किया इनकार, पुलिस पर बेरहमी और जातिवादी उत्पीड़न का आरोप

मदुरई। तमिलनाडु के मदुरई से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां रविवार को मदुरई के सरकारी राजाजी अस्पताल में हाईटेंशन का माहौल रहा, जब 26 वर्षीय युवक आकाश डेलिसन की न्यायिक हिरासत में मौत हो गई। मृतक को मनामदुरई पुलिस ने शुक्रवार को जायन नगर में हुए सिकल हमले के सिलसिले में गिरफ्तार किया था।

पुलिस के अनुसार, अक्षय के पैर में गिरने से फ्रैक्चर हुआ था, जब वह गिरफ्तारी से बचने की कोशिश कर रहा था। इसके बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट ने उसे 18 मार्च तक रिमांड पर भेजा और इलाज के लिए राजाजी अस्पताल के कैदी वार्ड में भर्ती किया गया। रविवार सुबह उसकी सांस लेने में दिक्कत हुई और कुछ समय बाद उसकी मौत हो गई।

मृतक के माता-पिता ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

हालांकि दूसरी ओर मृतक के माता-पिता ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अक्षय को एक जंगल में ले जाकर पत्थरों से मार-मारकर उसकी हड्डियां तोड़ दीं और जातिवादी गालियां दीं। माता ने दावा किया कि पुलिस ने पहले भी परिवार को धमकी दी थी कि अगर तुम्हारा बेटा हमारे हाथ लगेगा, तो हम उसे मार देंगे।

परिवार का शव लेने से इनकार

इतना ही नहीं मृतक अक्षय की मौत के बाद परिवार ने उसका शव लेने से इनकार कर दिया है और मांग की है कि इस मामले में वीसीके के अध्यक्ष और सांसद थोल थिरुमावलवन व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करें। इसी बीच, मानवाधिकार कार्यकर्ता हेनरी टिफागने ने वीडियो बयान में इस पुलिस बर्बरता की निंदा की और कहा कि यह 26वां कस्टोडियल डैथ है।

घटना के इलाके में तनाव

घटना ने इलाके में तनाव बढ़ा दिया है, खासकर हाल ही में उसी पुलिस क्षेत्र में मंदिर के पुजारी अजीत कुमार की हत्या के बाद। मदुरई अस्पताल के शव गृह के बाहर भारी पुलिस तैनाती की गई है। वरिष्ठ अधिकारी परिवार और समुदाय के नेताओं से वार्ता कर विरोध को शांत करने की कोशिश कर रहे हैं। शव फिलहाल अस्पताल के मोर्चुअल में सुरक्षित रखा गया है और मामले की जांच के लिए मजिस्ट्रियल जांच शुरू की जाएगी।

हिंदू युवक की हत्या के आरोपियों के घर पर चला बुलडोजर, भाजपा ने कार्रवाई का स्वागत किया

नई दिल्ली। होली के दिन उत्तम नगर में एक युवक तरुण की हत्या करने वाले आरोपियों के घर पर बुलडोजर चल गया है। अनधिकृत निर्माण को लेकर दिल्ली नगर निगम की कार्रवाई के अनुसार हुये इस ध्वस्तीकरण में रविवार सुबह ही बुलडोजर इस कॉलोनी में पहुंच गए। दिल्ली पुलिस की कड़ी सुरक्षा में हुए इस ध्वस्तीकरण में अब तक मकान के कुछ हिस्से को तोड़ दिया गया है। आसपास के मकानों को किसी नुकसान से बचाने के लिए बाद में निगमकर्मियों ने हथौड़े का उपयोग करते हुए मकान के कुछ हिस्से को तोड़ा। भाजपा ने इस ध्वस्तीकरण की कार्रवाई का स्वागत किया है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने होली के दिन उत्तम नगर में हुई हिंसा की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि हत्यारों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए जिससे ऐसी हरकत करने वालों को कड़ा संदेश दिया जा सके। उन्होंने कहा

कि सर्व धर्म समभाव की संस्कृति वाले भारत देश में इस तरह की सांप्रदायिक सोच को स्वीकार नहीं किया जा सकता जिसमें किसी एक समुदाय के लोग किसी दूसरे की धार्मिक भावनाओं का सम्मान न कर सकें। उन्होंने अभियुक्त परिवार का अवैध रूप से निर्मित मकान तोड़े जाने का स्वागत किया।

सचदेवा ने कहा कि अतिवादियों ने पहले भी इस तरह की सांप्रदायिक घटनाओं को अंजाम दिया था, लेकिन अब इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि तरुण की हत्या के आरोपियों को कठोरतम सजा मिलनी चाहिए जिससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हर धर्म समुदाय के लोग आपसी भाई चारे को बनाए रखते हुए रहते आए हैं और दिल्ली को अपनी इस संस्कृति पर गर्व रहा है। इस संस्कृति को चोट पहुंचाने की किसी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

क्या हुआ था

आरोप है कि होली के दिन 4 मार्च को होली खेलने के दौरान एक बच्ची के हाथों रंग का गुब्बारा दूसरे समुदाय की एक महिला पर पड़ जाने से विवाद खड़ा हो गया। मृतक के परिजनों का आरोप है कि एक साजिश रचकर तरुण को बुलाकर करीब डेढ़ दर्जन लोगों ने उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक के परिजनों ने आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

ईरान के ड्रोन हमले पर फ्रांस का एक्शन मैक्रों के दौरे से पहले साइप्रस पहुंचा युद्धपोत

पेरिस **(एजेंसी)**। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सोमवार को साइप्रस की यात्रा करेंगे। फ्रांसीसी राष्ट्रपति कार्यालय एलिसी पैलेस के अनुसार, मैक्रों साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स और ग्रीक प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस से मुलाकात करेंगे। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य यूरोपीय संघ के सदस्य देश साइप्रस के साथ एकजुटता दिखाना और पूर्वी मेडिटेरेनियन क्षेत्र में सुरक्षा को और मजबूत करना है। पिछले सोमवार को साइप्रस पर ईरान निर्मित ड्रोनों और मिसाइलों से हमले हुए थे, जिसके बाद फ्रांस ने तुरंत अपनी सैन्य ताकत बढ़ा दी है। राष्ट्रपति मैक्रों ने मेडिटेरेनियन क्षेत्र में अपने सबसे विशाल 'चार्ल्स डी गॉल' एयरक्राफ्ट कैरियर को भेजने का आदेश दिया है। इसके साथ ही साइप्रस की सुरक्षा के लिए एक युद्धपोत और एयर डिफेंस यूनिट भी तैनात की गई है।

फ्रांस और साइप्रस के बीच एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी है। एलिसी पैलेस ने स्पष्ट किया कि इस यात्रा के दौरान मैक्रों समुद्री सुरक्षा और व्यापारिक जहाजों की आवाजाही की आजादी सुनिश्चित करने पर जोर देंगे। इसमें विशेष रूप से 'लाल सागर' और 'होर्मुज जलडमरूमध्य' जैसे महत्वपूर्ण समुद्री रास्तों की सुरक्षा शामिल है, जिसके लिए यूरोपीय संघ का 'एस्पाइड्स मैरीटाइम ऑपरेशन' पहले से ही काम कर रहा है।

साइप्रस पर हुए हमलों को फ्रांस ने पूरे यूरोप की सुरक्षा के लिए खतरा माना है। मैक्रों का यह दौरा इस बात का संकेत है कि फ्रांस अपने सहयोगियों की रक्षा के लिए सैन्य कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। इस बैठक में तीनों नेता आने वाले समय में सुरक्षा के कड़े इंतजामों और भविष्य की चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

प्रेशर कम करने के लिए दी छूट, भारत को रूसी तेल पर मिली राहत पर बोले डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए दी गई 30 दिनों की अस्थायी छूट पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि यह फैसला वैश्विक ऊर्जा बाजार में तेल की कीमतों और दबाव को कम करने के लिए लिया गया है।

एयर फ़ोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि होर्मुज जलडमरू मध्य के पास सुरक्षा चिंताओं के कारण तेल आपूर्ति बाधित होने का खतरा है। जब उनसे पूछा गया कि क्या बाजार को स्थिर करने के लिए और कदम उठाए जाएंगे, तो उन्होंने कहा: 'अगर बाज़ार पर थोड़ा दबाव कम करने के लिए कुछ करना पड़ा, तो मैं वह ज़रूर करूँगा। हालांकि, दुनिया में तेल की कोई कमी नहीं है। हमारे पास (अमेरिका) बहुत तेल है और यह स्थिति बहुत जल्दी ठीक हो जाएगी।' अमेरिकी ट्रेजरी विभाग द्वारा घोषित यह छूट विशेष रूप से उन रूसी कच्चे तेल के शिपमेंट के लिए है जो पहले से ही समुद्र में थे लेकिन अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण फंस गए थे।

अमेरिका ट्रेजरी डिपार्टमेंट द्वारा घोषित इस छूट से भारत को उन रूसी तेल शिपमेंट को इंपोर्ट करने की इजाज़त मिल गई है जो पहले से ही रास्ते में थे लेकिन अमेरिका के नए बैन के बाद फंस गए थे। अधिकारियों ने कहा कि यह उपाय 30 दिनों तक लागू रहेगा और इसका मकसद ग्लोबल मार्केट में अचानक कमी को रोकना है।

इस फैसले के बारे में बताते हुए, बेसेंट ने कहा कि वाशिंगटन ने पहले भारत से बैन किए गए रूसी कच्चे तेल की खरीद रोकने के लिए कहा था, लेकिन अब इस क्षेत्र में बदलते सुरक्षा हालात के कारण टेम्परेरी छूट दे दी है।

उन्होंने इस हफ़्ते की शुरुआत में फॉक्स बिज़नेस के साथ एक इंटरव्यू में कहा, 'भारतीय बहुत अच्छे एक्टर रहे हैं। हमने उनसे इस पतझड़ में बैन किया गया रूसी

तेल खरीदना बंद करने के लिए कहा था। उन्होंने ऐसा किया। वे इसकी जगह अमेरिका तेल लेने वाले थे। लेकिन दुनिया भर में तेल के टेम्परेरी गैप को कम करने के लिए, हमने उन्हें रूसी तेल लेने की इजाज़त दे दी है।' अमेरिका अधिकारियों ने ज़ोर देकर कहा कि छूट का दायरा सीमित है और इसका मकसद मॉस्को के प्रति बड़ी पॉलिसी को बदलना नहीं है।

क्रिस राइट ने इस कदम को ग्लोबल कीमतों को स्थिर रखने और सप्लाई जारी रखने को पक्का करने के मकसद से उठाए गए शॉर्ट-टर्म कदमों का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'वहां बहुत सारे तैरते हुए बैरल पड़े हैं। हमने भारत में अपने दोस्तों से संपर्क किया है और कहा है, 'वह तेल खरीदो। इसे अपनी रिफाइनरियों में लाओ।' राइट ने आगे साफ़ किया कि यह फ़ैसला टेम्परेरी है और मार्केट में रुकावटों को रोकने के लिए बनाया गया है।

उन्होंने ज़ोर देकर कहा, 'हमने तेल की कीमतों को कम रखने में मदद के लिए शॉर्ट-टर्म उपाय लागू किए हैं। हम भारत में अपने दोस्तों को पहले से जहाजों पर मौजूद तेल लेने, उसे रिफाइन करने और उन बैरल को जल्दी से मार्केट में लाने की इजाज़त दे रहे हैं। सप्लाई को चालू रखने और दबाव कम करने का यह एक प्रैक्टिकल तरीका है।'

बेसेंट ने वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप के महत्व को भी बताया था। उन्होंने कहा, 'भारत यूनाइटेड स्टेट्स का एक ज़रूरी पार्टनर है' और 'यह कामचलाऊ उपाय ईरान की ग्लोबल एनर्जी को बंधक बनाने की कोशिश से पैदा हुए दबाव को कम करेगा।' 'ग्लोबल मार्केट में तेल का फ्लो जारी रखने के लिए, अमेरिका भारतीय रिफाइनर को रूसी तेल खरीदने की इजाज़त देने के लिए 30 दिन की छूट दे रहा है।' हालांकि, भारतीय अधिकारियों ने कहा कि देश क्रूड खरीदने के लिए बाहरी मंज़ूरी पर निर्भर नहीं है।

रूसी तेल पर भारत के कड़े रुख की वजह से अमेरिका को उसके एक्सपोर्ट पर भारी टैरिफ लगे, क्योंकि ट्रंप ने पहले 25 परसेंट रेसिप्रोकल टैरिफ लगाए और फिर मॉस्को से मुख्य एनर्जी रिसोर्स की नई दिल्ली की खरीद पर 25 परसेंट और टैरिफ लगाए।

हाल ही में, ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन ने इंडियन एक्सपोर्ट पर टैरिफ को घटाकर सिर्फ़ 18 परसेंट कर दिया, यह दावा करते हुए कि उसके कहने पर इंडिया ने रशियन ऑयल खरीदना बंद कर दिया। हालांकि, इंडिया लंबे समय से कहता रहा है कि उसके सभी फ़ैसले इंडिपेंडेंट हैं और बिना किसी बाहरी दबाव के लिए गए हैं।

ईरानी युद्धपोत आईरिस डेना पर अमेरिकी हमला से पहले मिली थी 2 चेतावनी, नाविक के फोन कॉल से खुला राज

कोलंबो **(एजेंसी)**। श्रीलंका के पास हिंद महासागर में अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा ईरानी युद्धपोत आईरिस डेना को डुबोए जाने के मामले में एक नया खुलासा हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, हमले में मारे गए एक नाविक ने अपने पिता को फोन पर बताया था कि अमेरिकी सेना ने जहाज छोड़ने के लिए क्रू को दो बार चेतावनी दी थी। यह जानकारी ईरान के उस आधिकारिक दावे को झुठलाती है, जिसमें कहा गया था कि हमला बिना किसी चेतावनी के किया गया था।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि चेतावनी मिलने के बाद क्रू के सदस्यों और युद्धपोत के कमांडर के बीच बहस हुई थी। नाविक जहाज छोड़ना चाहते थे, लेकिन कमांडर ने उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी। बुधवार को हुए इस हमले में अमेरिकी पनडुब्बी ने टॉरपीडो का इस्तेमाल किया, जिसमें दर्जनों नाविकों की जान चली गई। श्रीलंका की नौसेना ने बचाव अभियान चलाकर 87 शव बरामद किए हैं और 32 लोगों को सुरक्षित बचाया है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस हमले को शांत मौत करार दिया है। उन्होंने बताया कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद यह पहली बार है जब अमेरिका ने किसी दुश्मन के युद्धपोत को डुबोने के लिए पनडुब्बी का इस्तेमाल किया है। इस घटना से अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव एक नए और खतरनाक मोड़ पर पहुँच गया है।

यह ईरानी युद्धपोत हाल ही में भारत के विशाखापत्तनम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय नौसेना अभ्यास मिलन 2026 और इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू में शामिल हुआ था। इस वजह से भारतीय रक्षा विशेषज्ञ भी इस पूरी घटना पर करीब से नजर रख रहे हैं। इस बीच, एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका ने श्रीलंका सरकार से संपर्क किया है। अमेरिका ने श्रीलंका से आग्रह किया है कि वह बचाए गए 32 नाविकों और एक अन्य ईरानी जहाज आईरिस बूशहर के 208 नाविकों को फिलहाल वापस ईरान न भेजे।

ईरान हमले पर यूरोप में बगावत, स्विट्जरलैंड और स्पेन ने अमेरिका-इजरायल को घेरा

बर्न **(एजेंसी)**। स्विट्जरलैंड के रक्षा मंत्री मार्टिन फिस्टर ने अमेरिका और इज़रायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की है। एक इंटरव्यू के दौरान फिस्टर ने स्पष्ट कहा, 'स्विस फेडरल काउंसिल का मानना है कि ईरान पर यह हमला अंतरराष्ट्रीय कानून का सीधा उल्लंघन है।' उन्होंने जोर देकर कहा कि यह हमला हिंसा पर रोक लगाने वाले वैश्विक नियमों के खिलाफ है और इसमें शामिल सभी देशों को आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए तुरंत युद्ध रोक देना चाहिए।

जर्मनी के वाइस चांसलर और वित्त मंत्री लार्स क्लिंगबेल ने भी इसी तरह की चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा, 'मुझे इस बात पर बहुत शक है कि यह युद्ध अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत सही है।' क्लिंगबेल ने चेतावनी देते हुए कहा कि दुनिया एक ऐसे खतरनाक दौर की ओर बढ़ रही है जहां कोई नियम नहीं रह जाएंगे और सिर्फ ताकतवर लोगों की बात मानी जाएगी। उन्होंने कहा कि हम ऐसी व्यवस्था में नहीं रहना चाहते जहां कानून का सम्मान न हो।

स्पेन ने भी ईरान पर की गई बमबारी को 'लापरवाही भरा और गैर-कानूनी' बताते हुए इसकी निंदा की है। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने भी अल जजीरा को बताया कि अमेरिका और इजरायल के इन हमलों का कोई ठोस कानूनी आधार नहीं है और ये संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन करते हैं, जो किसी भी देश पर बिना वजह हमले की मनाही करता है।

ईरान के तेल पर डोनाल्ड ट्रंप की नजर! देश के टुकड़े करने की साजिश का सनसनीखेज दावा

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। तेहरान यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर फोआद इजादी ने अल जजीरा के साथ बातचीत में एक बड़ा दावा करते हुए कहा है कि अमेरिका और इजरायल मिलकर ईरान को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटने (बाल्कनाइजेशन) की योजना बना रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस पुराने बयान की ओर इशारा किया, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि युद्ध के बाद ईरान का नक्शा शायद वैसा न रहे जैसा आज है। प्रोफेसर के अनुसार, इसका सीधा मतलब है कि ईरान के भूगोल को बदलने की तैयारी चल रही है।

प्रोफेसर इजादी का मानना है कि ट्रंप की मुख्य दिलचस्पी ईरान के उन हिस्सों में है जहां तेल का भारी भंडार है। उन्होंने कहा कि अमेरिका शायद फारस की खाड़ी के उत्तरी किनारे पर स्थित तेल से भरपूर इलाकों को ईरान से अलग कर सकता है और वहां अपना कोई इंचार्ज बिठा सकता है। उनके मुताबिक, ट्रंप को तेल पसंद है, चाहे वह वेनेजुएला का हो या ईरान का। बाकी का ईरान, जिसमें तेल नहीं होगा, उसे पड़ोसी देशों के कब्जे के लिए या अकेले छोड़ दिया जाएगा। प्रोफेसर ने यह गंभीर आरोप भी लगाया कि इजरायल और अमेरिका मिलकर ईरान की सरकार को पूरी तरह खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वे ईरान के राष्ट्रपति को निशाना बना सकते हैं ताकि पूरी व्यवस्था ढह जाए और देश का बंटवारा करना आसान हो जाए। उनके अनुसार, यह पूरी रणनीति ईरान को एक क्षेत्रीय शक्ति के रूप में खत्म करने के लिए बनाई जा रही है।

ईरान दुनिया का 17वां सबसे बड़ा देश है, जो लगभग 16.5 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसकी विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यह भारत के आकार का लगभग आधा और इजरायल से 80 गुना बड़ा है। इसकी सीमाएं सात देशों से लगती हैं, जिनमें इराक के साथ सबसे लंबी सीमा है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। दैथानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालय: 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)